श्रावण कृष्ण पक्ष चतुर्थी संवत् 2082 | dopaharmetro | epaper.dopaharmetro.com | dopaharmetro | वर्ष-09, अंक - 11 | पेज 8, मूल्य 2 रुपए

डाक पंजीयन क्रमांक: म.प्र./4-474/2024-26

भोपाल
14 जुलाई 2025 सोमवार

आज का मौसम
25 अधिकतम
18 न्यूनतम

बेबाक खबर हर दोपहर

दोपहर मेट्रो

Page-7

सावन का पहला सोमवार : आधी रात से मंदिरों में लगी भक्तों की कतार

भोपाल/उज्जैन, दोपहर मेट्रो

सावन महीने के पहले सोमवार की आज धूमधाम है। देशभर में ज्योतिर्लिंगों के अलावा छोटे-बड़े सभी शिव मंदिरों में जलाभिषेक हो रहा है। आलम यह है कि रविवार रात से ही मंदिरों के बाहर भक्तों की भीड़ जमा हो गई थी। उज्जैन में महाकालेश्वर मंदिर के तड़के सुबह 2.30 बजे मंदिर के कपाट खोले गए। यहां हजारों लोग बाबा महाकाल के दर्शन करने पहुंचे। सावन महीने में 80 लाख लोगों के आने का अनुमान है। भोपाल के पास भोजपुर में भी भक्तों की भीड है। उधर यूपी के वाराणसी में काशी विश्वनाथ मंदिर में सुबह 4 बजे मंगला आरती हुई।

ढाई बजे खुले महाकाल के कपाट

जबकि दर्शन रात से ही जारी हैं। मंदिर के बाहर कांवड़ियों की तीन किमी की लाइन है। बाबा के जलाभिषेक के लिए केवल 1 सेकेंड का समय मिल रहा है। उधर झारखंड के देवघर में बाबा बैद्यनाथ धाम मंदिर के भी तड़के 3 बजे गेट खुले। यहां मंदिर से बाहर 8किमी लंबी लाइन लगी है।

उज्जैन मे महाकाल की सवारी, नूह में खासी सतर्कता

महाकाल की सवारी को लेकर उज्जैन में पुलिस खासी सतर्क है। सवारी में सुरक्षा के लिए 1400 से ज्यादा पुलिसकर्मियों को तैनात किया गया है। सवारी मार्ग पर बैरिकेड हैं। पुलिस व स्मार्ट सिटी के अलावा 200 अतिरिक्त सीसीटीवी कैमरे लगाए हैं। ट्रैफिक पुलिस ने भी मार्ग डायवर्ट किए हैं। सवारी मार्ग पर सभी ऊंचे भवनों जवानों को तैनात किया जा रहा है। पांच ड्रोन कैमरों से सवारी मार्ग व आसपास की गलियों से छतों की भी जांच कर सतत निगरानी की जा रही है। पुलिस तथा स्मार्ट सिटी के सीसीटीवी कैमरों के अलावा सवारी मार्ग पर 200 अतिरिक्त सीसीटीवी कैमरे लगाए गए हैं। दूसरी तरफ हरियाणा के नूह में सरकार ने जिले में बीती रात से इंटरनेट और बल्क एसएमएस सेवाओं पर रोक लगा दी है. यह कदम आज ब्रज मंडल जलाभिषेक यात्रा के दौरान किसी भी तरह की अशांति को रोकने के लिए उठाया गया है। दो साल पहले इसी यात्रा के दौरान क्षेत्र में सांप्रदायिक हिंसा भड़क गई थी, जिसमें दो लोगों की मौत और कई पुलिसकर्मी घायल हो गए थे। गृह विभाग ने कहा है कि व्हाट्सऐप, फेसबुक, ट्विटर जैसे सभी सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म और मोबाइल फोन पर चलने वाली एसएमएस सेवाएं भी अस्थायी रूप से बंद रहेंगी। यह प्रतिबंध आज रात 9 बजे तक लागू रहेगा। सरकार का मानना है कि इससे अफवाहों और भ्रामक जानकारी को फैलने से रोका जा सकेगा आज सभी सरकारी और निजी स्कूल बंद रखने के भी निर्देश दिए गए हैं। पुलिस ने करीब 2,500 जवानों की तैनाती की है।

मध्यप्रदेश में महत्वाकांक्षी संस्था को 'निगलने' की कोशिश

नौकरशाही के अजब रवैये से इकलौती मेडिकल यूनिवर्सिटी का वजूद खतरे में

अनिल शर्मा भोपाल

करीब डेढ़ दशक पहले बड़ी उम्मीदों के साथ शुरू हुई प्रदेश की इकलौती मेडिकल यूनिवर्सिटी का अस्तित्व बचाने का संघर्ष अब तेज़ होता दिख रहा है। जबलपुर में स्थापित इस यूनिवर्सिटी का काम प्रदेश के सभी मेडिकल कॉलेजों की परीक्षा लेना और रिसर्च को बढ़ावा देना था लेकिन सरकार ने इसे संसाधन मुहैया कराना तो दूर उलटे बंद करने की तैयारी कर ली है। विडम्बना यह है कि इस फैसले से पहले इससे सीधे जुड़े चिकित्सा वर्ग से कोई राय ही नहीं ली गई। ऐसे में डॉक्टरों का एक बड़ा खेमा यह कहने से भी नहीं चूक रहा कि राजनेताओं और नौकरशाही का चिकित्सा शिक्षा में वर्चस्व बढ़ाने के लिए ऐसा किया जा रहा है। मेडिकल टीचर्स इस मुद्दे पर अभी तक तो ज्ञापन देने तक ही सीमित थे लेकिन अब सड़क पर लड़ने की बात भी कर रहे हैं।

राज्य की विधानसभा ने वर्ष 2011 में मध्यप्रदेश आयुर्विज्ञान विश्वविद्यालय अधिनियम पारित किया था। इसके बाद यूनिवर्सिटी तो शुरू हुई लेकिन इसे व्यवस्थित रूप से विकसित करने की राजनीतिक और प्रशासनिक इच्छाशक्ति कभी नहीं दिखी। आज भी इसका काम जबलपुर मेडिकल कॉलेज कैंपस में बनाए गए एक डुप्लेक्स भवन में ही चल रहा है। इसके ठीक उलट, प्रदेश की सभी परंपरागत यूनिवर्सिटी के कैम्पस कई एकड़ में फैले हैं और इनमे से ज्यादातर राजनीति के अड्डे बने हुए हैं। सवाल पूछा जा रहा है कि एक अच्छे उद्देश्य के साथ शुरू हुए संस्थान को बंद करने के पीछे वजह क्या है ? सरकार के पास इसका कोई ठोस जवाब नहीं। बस यह कि क्षेत्रीय विश्वविद्यालयों से जुड़ने पर प्रशासनिक कसावट आएगी। यहां गौर करने योग्य बात यह भी है कि इस मेडिकल यूनिवर्सिटी को हिंदी में मेडिकल कि पढाई कराने का गौरव हासिल है और सरकार इस मामले में लगातार अपनी पीठ थपथपाती रही है। ऐसे में इस युनिवर्सिटी को पर्याप्त शिक्षक और प्रशासनिक अमला उपलब्ध नहीं कराना आश्चर्यजनक है। मेडिकल टीचर्स मानते हैं कि प्रदेश की ब्यूरोक्रेसी शुरुआत से ही इस पक्ष में नहीं थी कि चिकित्सा के नोबल प्रोफेशन से जुड़े विशेषज्ञों के हाथ में कमान रहे। वे याद दिलाते हैं कि पहले कैसे परंपरागत यूनिवर्सिटी में पेपर लीक और पास-फेल कराने के माफिया हावी हुआ करते थे। फिलहाल मेडिकल के छात्रों को इससे निजात मिली हुई है।

मंत्री का ट्वीट आया पर घोषणा नहीं हुई

मेडिकल यूनिवर्सिटी बंद करने के प्रस्ताव का जब भारी विरोध हुआ तो जबलपुर के विधायक और लोक निर्माण मंत्री राकेश सिंह ने सोशल मीडिया पर लिखा कि यूनिवर्सिटी बंद नहीं होगी। उनका कहना था कि इस बारे में उनकी मुख्यमंत्री से बात हो चुकी है। लेकिन, अभी तक सरकार की तरफ से कोई औपचारिक घोषणा न होने से मेडिकल टीचर्स इस मानने को तैयार नहीं हैं।

सड़कों पर उतरना पड़ा तो भी हम पीछे नहीं हटेंगे

जब से मेडिकल यूनिवर्सिटी बनी है, पेपर लीक के मामले नहीं आये। नेताओं और अफसरों को चाहिए कि कम से कम चिकित्सा के पेशे को तो छोड़ दें और इसका काम विशेषज्ञों को ही करने दें। यह सिर्फ अनावश्यक दखलंदाजी की कोशिश है जिसे कामयाब नहीं होने दिया जाएगा। इसके लिए सड़कों पर उतरना पड़ा तो उतरेंगे। छात्रों की सुविधा के लिए सरकार चाहे तो प्रदेश के बड़े शहरों में यूनिवर्सिटी की ब्रांच खोल सकती है।

-डॉ राकेश मालवीय,
अध्यक्ष, मेडिकल टीचर्स एसोसिएशन

फिजियोथैरेपी शिक्षा का पतन होने से रोके सरकार

मप्र के सरकारी सिस्टम की अनदेखी का खामियाजा फिजियोथैरेपी (भौतिक-चिकित्सा) प्रोफेशन व हजारों छात्रों को भुगतना पड़ रहा है। समूचे देश में जहाँ भी मेडिकल साइंस यूनिवर्सिटी है, वहां फिजियोथैरेपी कोर्स संचालित हो रहा है। जबकि मानव शरीर को आधुनिक तकनीक से स्वस्थ व फ़िट रखने के लिए फिजियोथैरेपी चिकित्सा आज सबकी पहली पसंद है। भारत सरकार के द्वारा बनाए गये 'नेशनल कमीशन एलाइड एंड हैल्थकेयर प्रोफेशन एक्ट 2021' में फिजियोथैरेपी चिकित्सा को स्वतंत्र प्रोफेशन का दर्जा दिया गया है। इसका कोर्स कर रहे हजारों छात्रों को मेडिकल यूनिवर्सिटी से अलग करने के फैसले का परिणाम भोगना पड़ रहा है। संघ प्रदेश सरकार से उपरोक्त निर्णय पर पुनर्विचार के लिए अनुरोध कर रहा है, ताकि इस प्रोफेशनल चिकित्सा का महत्व व गुणवत्ता बनी रहे। विसंगति ही है कि इस कोर्स को म.प्र.पैरामेडिकल काउंसिल के अंतर्गत रखा गया है, जबकि देश के अन्य राज्यों में फिजियोथेरेपी चिकित्सा की स्वतंत्र काउंसिल बनी हुई है। यह एक प्रोफेशनल हैल्थकेयर एवं स्वतंत्र रूप से चिकित्सा करने वाला कोर्स है।'

-डॉ सुनील पाण्डेय एमपीटी (ऑर्थो)
अध्यक्ष- भौतिक चिकित्सक कल्याण संघ

मप्र के चार जिलों में हालात बिगड़े

भारी बारिश से बिगड़ी व्यवस्थाएं, हादसे बढ़े

भोपाल/छतरपुर,दोपहर मेट्रो

मानसून ने इस वक्त पूरे मप्र को अपने घेरे में ले रखा है। लेकिन आधा दर्जन जिले अब अतिभारी बारिश से खराब हालातों में पहुंच गये हैं। छतरपुर, टीकमगढ़, अशोकनगर और गुना में बाढ़ के हालात हैं। इन जिलों के कई गांव बाढ़ में घिरे हैं। छतरपुर में तो धसान नदी में पिकअप बह गई व एक व्यक्ति की मौत हो गई। आज भी इंदौर, उज्जैन, ग्वालियर-चंबल में मानसून टर्फ और साइक्लोनिक सर्कुलेशन (चक्रवात) का असर है व कुल 35 जिलों में तेज बारिश का अलर्ट है। छतरपुर के खजुराहो में रनगुवां बांध के 15 गेट खोल दिए गए। शिवपुरी में उफनते नाले को पार करते वक्त तीन युवक बाइक समेत बह गए। पेड़ों की डालियों को पकड़ने पर उनकी जान बची।

राजस्थान के 18 जिलों में आज भारी बारिश की चेतावनी है। रविवार को भीलवाड़ा में दो चचेरे भाइयों की बरसाती नाले में और राजसमंद में तालाब में डूबने से भाई-बहन की मौत हो गई। ब्यावर में कीचड़ में गिरने से बच्चे की जान चली गई। भरतपुर में बिजली गिरने से व्यक्ति की जान चले गई। हिमाचल प्रदेश में अब तक बारिश, बाढ़ और लैंडस्लाइड की घटनाओं में 98 लोगों की मौत हुई है।उप्र में बांध ओवरफ्लो हैं।

अमेरिकी सरकार ने कहा- स्विच लॉक एकदम सेफ

बोइंग के फ्यूल स्विच से विवादों को *नया ईंधन*

नई दिल्ली एजेंसी

अमेरिका की सरकारी एजेंसी फेडरल एविएशन एडमिनिस्ट्रेशन और बोइंग ने अब एक प्राइवेट नोटिफिकेशन जारी करते हुए कहा है कि बोइंग प्लेन के फ्यूल स्विच लॉक एकदम सेफ हैं। इसका डिजाइन, लॉकिंग फीचर्स, बोइंग के अलग-अलग विमानों में एक ही है। फिर भी हम इसे खतरे की स्थिति नहीं मानते, जिसके लिए किसी भी बोइंग विमान मॉडल पर एयरवर्दीनेस डायरेक्टिव देने की जरूरत पड़े। यह नोटिफिकेशन 11 जुलाई को अहमदाबाद-लंदन प्लेन क्रैश की प्रारंभिक रिपोर्ट के बाद जारी किया, जिसमें इंजन फ्यूल कटऑफ स्विच पर सवाल उठाए गए थे। यह भी माना जा रहा है कि,

क्या यह सफाई बोइंग कंपनी को बचाने व भारतीय पायलटों पर दोष मढ़ने के लिये दी जा रही है। सोशल मीडिया पर भी इस तरह के सवाल उठ रहे हैं। दरअसल, फ्यूल कंट्रोल स्विच विमान के इंजन में फ्यूल के बहाव को कंट्रोल करते हैं। दूसरी तरफ एक न्यूज एजेंसी ने सूत्रों के हवाले से यह भी कहा है कि एयर इंडिया ने 2019 में बोइंग के निर्देश के बाद छह सालों में अहमदाबाद-लंदन बोइंग 787-8 फ्लाइट के थ्रॉटल कंट्रोल मॉड्यूल को दो बार बदला था।

आखिरकार कल टेस्ला की भारत में होगी एंट्री

नई दिल्ली। मार्केट कैप के मामले में दुनिया की सबसे बड़ी इलेक्ट्रिक व्हीकल कंपनी टेस्ला अब भारत में भी अपना शोरूम खोलने जा रही है। कल 15 जुलाई को मुंबई में इसकी शुरुआत होगी। गौरतलब है कि 08 में जब दुनियाभर की इकोनॉमी संकट में थी व लेहमन ब्रदर्स जैसे बड़े इन्वेस्टमेंट बैंक से लेकर जनरल मोटर्स जैसी कंपनियां डूब रही थीं। तब इलॉन मस्क की इलेक्ट्रिक व्हीकल कंपनी टेस्ला शुरुआती दौर में थी। मंदी के कारण हालत इतनी खराब थी कि मस्क ने पहली कार के लिए ग्राहकों से जो बुकिंग अमाउंट लिया था उसे भी खर्च कर दिया।

लार्ड्स टेस्ट: आज एक घंटे में 6 विकेट चटकाने की 'चेतावनी'

लार्ड्स। भारत और इंग्लैंड के बीच लॉर्ड्स में खेला जा रहा टेस्ट मैच रोमांचक मोड़ पर है, आज इस पर सभी की नजरें हैं। इस मुकाबले में इंग्लैंड ने भारतीय टीम को जीत के लिए 193 रनों का टारगेट दिया है, जिसका पीछा करते हुए टीम इंडिया चार विकेट पर 58 रन बना चुकी है। उसे अब 135 रन और बनाना है। इस बीच पांचवें दिन के खेल से पहले इंग्लैंड के असिस्टेंट कोच मार्कस ट्रेस्कोथिक ने भारतीय टीम को चेताया है कि उनकी टीम पांचवें दिन पहले ही घंटे में छह विकेट ले सकती है। ट्रेस्कोथिक ने गेंदबाजों के लिए गेमप्लान भी रिवील किया और कहा कि हमें उम्मीद है गेंद चारों तरफ सीम करेगी और पहले ही घंटे में हम 6 विकेट चटका लेंगे।

मेट्रो एंकर | कुछ महीनों बाद रिटायर होने वाले हैं कई सियासी दिग्गज, बनेंगे नए समीकरण

राज्यसभा की 75 सीटों पर चुनाव, बदलेगी सदन की 'सूरत'

नई दिल्ली एजेंसी,दोपहर मेट्रो

भारतीय राजनीति और सरकार के कामकाज में राज्यसभा का रोल कितना महत्वपूर्ण होता है यह किसी से छिपा नहीं हैं। लिहाजा अगले साल यानी 2026 में राज्यसभा में होने वाले बदलाव पर सभी की नजरें अभी से हैं। गौरतलब है कि कल ही राष्ट्रपति ने चार नये राज्यसभा सदस्यों का मनोनयन किया है। लेकिन अगले साल राज्यसभा की सूरत में बड़ा बदलाव होने वाला है। ये बदलाव देश में नए राजनीतिक समीकरण को जन्म दे सकते हैं। एनडीए और विपक्षी दलों के 'इंडिया गठबंधन' में भी इस बदलाव का असर देखने को मिल सकता है। दरअसल अगले साल राज्यसभा के कई बड़े नेताओं का कार्यकाल पूरा हो रहा है। अप्रैल, जून और नवंबर में 75 सीटों के लिए चुनाव होंगे। इससे उच्च सदन में

राजनीतिक समीकरण बदलेंगे। राज्यसभा की 233 सीटें राज्य विधानसभाओं के सदस्य चुनते हैं। बाकी 12 सदस्यों को राष्ट्रपति मनोनीत करते हैं। इनमें चार की कल नियुक्ति हुई।

अगले साल कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे, पूर्व प्रधानमंत्री एचडी देवेगौड़ा और कई केंद्रीय मंत्री जैसे मसलन हरदीप सिंह पुरी और बीएल वर्मा रिटायर होने वाले हैं। इन चुनावों से एनडीए और विपक्षी दलों की ताकत का पता चलेगा। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे कर्नाटक से राज्यसभा सदस्य हैं। उनका कार्यकाल 25 जून 2026 को खत्म हो रहा है। उनके साथ ही पूर्व प्रधानमंत्री एचडी देवेगौड़ा भी रिटायर होंगे, वे भी कर्नाटक से ही हैं। यूपी से मोदी सरकार के दो मंत्री हरदीप सिंह पुरी और बीएल वर्मा का कार्यकाल 25 नवंबर 2026 तक है। इनके साथ ही उत्तर प्रदेश से 8 और सदस्य भी रिटायर होंगे। कांग्रेस छोड़कर भाजपा में शामिल हुए रवनीत सिंह बिट्टू भी रिटायर होने वाले हैं। उन्होंने 2024 के लोकसभा चुनाव से पहले भाजपा ज्वाइन की थी। वे लुधियाना से चुनाव हार गए थे, लेकिन उन्हें केंद्रीय मंत्री बनाया गया है। वे राज्यसभा में राजस्थान का प्रतिनिधित्व करते हैं, उनका कार्यकाल 21 जून 26 को खत्म होगा। केंद्रीय मंत्री जॉर्ज कुरियन और कांग्रेस के वरिष्ठ नेता दिग्विजय सिंह भी 21 जून 2026 को रिटायर होंगे। जॉर्ज कुरियन मध्यप्रदेश से चुने गए हैं।

शक्ति संतुलन के लिए दोनों की जरूरत

उल्लेखनीय है कि अभी राज्यसभा में एनडीए के पास 129 सीटें हैं। वहीं, विपक्ष के पास अब सिर्फ 78 सीटें हैं। कुछ साल पहले तक यह स्थिति उलट थी, केंद्र में भाजपा एनडीए सरकार होते हुए भी राज्यसभा में कांग्रेस व अन्य विपक्षी सांसदों की संख्या ज्यादा थी। इसलिए ये चुनाव उच्च सदन में दोनों पक्षों की शक्ति संतुलन के लिए बहुत महत्वपूर्ण हैं। इन चुनावों से पता चलेगा कि राज्यसभा में किस पार्टी का दबदबा रहेगा। इससे देश की राजनीति पर भी असर पड़ेगा।

कार्यक्रम की रूपरेखा तय हुई

कर्मश्री की तिरंगा यात्रा इस बार सेना के शौर्य को होगी समर्पित

भोपाल दोपहर मेट्रो

राजधानी की कर्मश्री संस्था द्वारा प्रतिवर्ष आयोजित होने वाली तिरंगा यात्रा इस वर्ष भारतीय सेना के शौर्य अभियान 'ऑपरेशन सिंदूर' को समर्पित रहेगी। संस्था की पहली बैठक संपन्न में आयोजन की रूपरेखा तय की गई। संस्था के अध्यक्ष एवं विधायक रामेश्वर शर्मा की मौजूदगी में हुई बैठक में भोपाल के विभिन्न क्षेत्रों से आए कार्यकर्ताओं ने यात्रा की तैयारियों पर मंथन किया।

इस बैठक में यात्रा को और अधिक भव्य स्वरूप देने का संकल्प लिया गया है। 14 अगस्त को निकाली जाने वाली इस यात्रा में हजारों देशभक्तों के शामिल होने की उम्मीद है। विधायक शर्मा ने कहा कि 'तिरंगा हमारी शान है, इस पर आंख उठाने वालों को ऑपरेशन सिंदूर का सामना करना पड़ता है।' इस बार की यात्रा सिर्फ प्रतीकात्मक नहीं बल्कि भारत के गौरव, अखंडता और सैन्य शौर्य की सजीव अभिव्यक्ति होगी। कोलार क्षेत्र से बैरागढ़ तक निकाली जाने वाली इस यात्रा में लाखों हाथों में लहराता तिरंगा पूरे भोपाल को देशभक्ति के रंग में रंग देगा। विधायक रामेश्वर शर्मा ने कहा कि 14 अगस्त भारत की आजादी की पूर्व संध्या है, लेकिन इसी दिन हमें विभाजन का जख्म भी मिला था। इसलिए हम इस दिन को अखंड भारत स्मृति दिवस के रूप में मनाते हैं। इसलिये कर्मश्री संस्था इस दिन विशाल तिरंगा यात्रा निकालकर देशवासियों के मन में अखंड भारत के संकल्प को जाग्रत करती है। उन्होंने कहा कि इस बार यह यात्रा इतनी विशाल होगी कि भोपाल से निकली आवाज पूरे देश के दिलों में गूंजेगी।

काफिला रुकवाकर की मदद

शिवराज सिंह ने सड़क दुर्घटना में घायल युवक को अपनी गाड़ी से अस्पताल भेजा

भोपाल दोपहर मेट्रो

राजधानी में एक सड़क दुर्घटना में घायल युवक को केंद्रीय कृषि मंत्री शिवराज सिंह चौहान ने अपनी काफिले की गाड़ी से अस्पताल भिजवाया। उन्होंने जेपी हॉस्पिटल के अधीक्षक डॉ. राकेश श्रीवास्तव से फोन पर बात की तथा इमरजेंसी में तुरंत युवक के इलाज करने को भी कहा।

दरअसल, केंद्रीय मंत्री अवधपुरी में स्थित जैन मंदिर में चातुर्मास कार्यक्रम में शामिल होने जा रहे थे। चेतक ब्रिज पर लोगों की भीड़ देखकर उन्होंने अपना काफिला रुकवाया। तभी एक महिला दौड़कर उनके पास आई और एक्सीडेंट होने की बात बताई। इस पर शिवराज ने लोगों और अपने स्टाफ की मदद से घायल को गाड़ी में लेटाने में मदद की। इसके बाद अपने स्टाफ में पदस्थ सरकारी अधिकारी राजेन्द्र जैन को भी साथ भेजा। शिवराज ने अपने सहयोगी अफसर से कहा जो व्यक्ति घायल है, उसके इलाज में कोई कमी न रहे। इनके परिवारजनों को भी सूचना भेजें। घायल युवक के हॉस्पिटल रवाना होने के बाद मौके पर मौजूद एक महिला और लोगों ने शिवराज सिंह चौहान को धन्यवाद दिया तो उन्होंने कहा कि इसमें धन्यवाद की कोई बात नहीं है। बल्कि ये सबका धर्म है कि जब भी कोई घायल अवस्था में मिले तो उसे बिना देर किए अस्पताल पहुंचाकर समय से उपचार उपलब्ध कराएं। ताकि, लोगों की जान बच सके।

अब भोजपुर मंदिर जाने वाले वाहन चालकों की फजीहत, घंटों फंसे रहे

राजधानी में बदहाल सड़कें, अतिक्रमण व ट्रैफिक जाम, अब बात हुई बहुत आम...!

भोपाल दोपहर मेट्रो

राजधानी और आसपास के क्षेत्रों में ट्रैफिक जाम और अन्य अव्यवस्था आजकल आम बात हो गये हैं। अब भोजपुर रोड पर गत दिवस भारी जाम की स्थिति ऐसी बनी कि शाम तक सुधर पाई। यहां भी प्रशासन की लापरवाही और खराब सड़क वजह बनी। बंगरसिया से लेकर भोजपुर मंदिर तक करीब ढाई किलोमीटर लंबा ट्रैफिक जाम रहा। इस दौरान श्रद्धालुओं समेत अन्य राहगीरों को करीब ढाई घंटे तक परेशानी झेलनी पड़ी। चौंकाने वाली बात यह रही कि पूरे रास्ते में कहीं भी ट्रैफिक पुलिस तैनात नहीं थी। छह दिन पहले ही भोपाल में बोर्ड आफिस चौराहे के आसपास ऐसा जाम लगा था कि लोगों को तीन किमी का रास्ता पार करने में दो घंटे लग गए थे।

दरअसल, भोजपुर मंदिर जाने वाले श्रद्धालुओं व सावन माह की शुरूआत को देखते हुए इस सड़क पर लगा जाम प्रशासन के लिए सबक की तरह है, क्योंकि अब पूरे महीने यहां लोगों का आना जाना अन्य दिनो की अपेक्षा ज्यादा रहेगा। दोपहिया और चार पहिया वाहन की संख्या बहुत बढेगी । कल भी कई जगह तो विवाद की स्थिति भी बनी। व्यवस्था संभालने वाला कोई मौजूद नहीं था। हालांकि बाद में पुलिस दावा करती रही कि जाम पूरी तरह से खुल गया है,व ट्रैफिक सामान्य हो गया। जबकि श्रद्धालुओं और स्थानीय लोगों ने नाराजगी जताते हुए पुलिस प्रशासन को जमकर कोसा। उधर दुकानदारों ने प्रशासन से मांग की है कि भोजपुर मंदिर मार्ग पर ट्रैफिक पुलिस की स्थाई तैनाती की जाए और खराब सड़कों की मरम्मत जल्द कराई जाए, ताकि श्रद्धालुओं और आम नागरिकों को राहत मिल सके। साथ ही अतिक्रमण हटाने की कार्रवाई भी जरूरी है, ताकि हर सप्ताह लगने वाले इस जाम से छुटकारा मिल सके।

गौरतलब है कि भोजपुर मंदिर श्रद्धालुओं की आस्था का केंद्र है। बड़ी संख्या में लोग मंदिर दर्शन के लिए पहुंचते हैं। रास्ता में बंगरसिया में रविवार को साप्ताहिक बाजार लगता है, जहां ठेले, खोमचे और दुकानें सीधे सड़क पर लगा दी जाती हैं। इससे रास्ता बेहद संकरा हो जाता है।

इधर.. ओवरब्रिज हो रहा जर्जर

राजधानी की सड़कों से रोजाना गुजरने वाले हजारों लोगों के लिए स्टेट बैंक ओवरब्रिज अब एक गंभीर खतरे का रूप लेता नजर आ रहा है। कुछ समय से यह ओवरब्रिज जर्जर हालत में है, लेकिन चिंताजनक यह कि पुल के कई हिस्सों में दरारें साफ दिखाई दे रही हैं। यह सभी को नजर आ रही हैं लेकिन पीडब्ल्यूडी इसे नहीं देख पा रहा है। ओवरब्रिज की सतह जगह-जगह से टूट चुकी है, डामर उखड़ चुका है और नीचे की संरचना में दरारें पड़ी हैं। बारिश के मौसम ने स्थिति को और भी खतरनाक बना दिया है। जानकारों का कहना है कि यह पुल अब तकनीकी रूप से जांच के योग्य है।

बताया जाता है कि इस पुल से गुजरने वाले वाहन चालक और स्थानीय नागरिक लगातार इसकी बिगड़ती हालत की शिकायत कर चुके हैं। नगर निगम और पीडब्ल्यूडी दोनों ही इस पुल की स्थिति से संभवत वाकिफ हैं, लेकिन मरम्मत कार्य की पहल नहीं नजर आ रही। सिर्फ कागजों पर निरीक्षण और खानापूर्ति हो रही है। पुल की दीवारों में पड़ी दरारें अब इतनी गहरी हो गई हैं कि उन्हें नजरअंदाज करना नामुमकिन है। स्थानीय पार्षदों ने भी इस मामले को गंभीरता से लेते हुए प्रशासन से मांग की है कि जल्द से जल्द इस पुल की संरचनात्मक जांच की जाए और यदि जरूरत हो, तो संपूर्ण मरम्मत का कार्य कराया जाए ताकि भोपाल के नागरिकों की सुरक्षा सुनिश्चित हो सके।

उपभोक्ता आयोग ने मानसिक क्षतिपूर्ति भी देने के निर्देश दिए

हवाई टिकट की राशि नहीं लौटाने वाली एयरलाइंस पर जुर्माना

भोपाल दोपहर मेट्रो

कोविड महामारी की आपात स्थिति में विदेश यात्रा के लिये एक व्यक्ति द्वारा हवाई यात्रा का टिकट रद्द कराया लेकिन तब से एयरलाइंस ने टिकट की राशि नहीं लौटाई और शिकायतों की सुनवाई तक नहीं हुई। अब भोपाल जिला उपभोक्ता आयोग ने इसे सेवा में कमी मानते हुए एयरलाइंस को टिकट की पूरी राशि के साथ मानसिक क्षतिपूर्ति का हर्जाना भी अदा करने का आदेश दिया है।

जानकारी के मुताबिक गुलमोहर कॉलोनी निवासी विपिन गोपाल नरूला ने अपनी बेटी के कनाडा के टोरंटों जाने और आने के लिए मेक माय ट्रिप और गोईबीबो वेबसाइट के जरिए ब्रिटीश एयरवेज का टिकट कराया था। यह टिकट 20 मार्च 2020 और 30 मार्च 2020 के थे। इसी बीच कोविड महामारी के कारण विदेश यात्रा पर प्रतितिबंध लग गया। ऐसे में एयरलाइंस ने उन्हें ईमेल से बताया कि वे अपने टिकट की तारीख बदलवा सकते हैं। इसके बदले उन्हें क्रेडिट वाउचर जारी किया जाएगा, जिसे उपभोक्ता एक साल के भीतर कभी भी उपयोग कर सकता है। नरुला ने वह टिकट निरस्त करा दिया। उसके बाद कंपनी ने न उन्हें क्रेडिट बाउचर दिया और न टिकट की राशि 72 हजार 566 रुपये वापस लौटाए।

जमीअत उलमा के सदस्यता कैंप

भोपाल। अब राजधानी समेत प्रदेश के अन्य हिस्सों में जमीअत उलमा-ए-हिन्द ने सदस्यता अभियान शुरू किया है। प्रदेशव्यापी अभियान के लिये राजधानी भोपाल सहित पूरे प्रदेश में जगह-जगह सदस्यता कैम्प लगाए जा रहे हैं। आज सोमवार से भोपाल के पुराने शहर में भी विभिन्न इलाकों में ये कैम्प शुरू होंगे। जमीअत उलमा मध्यप्रदेश के मीडिया प्रभारी हाजी मोहम्मद इमरान ने बताया कि संस्था का यह सदस्यता अभियान प्रत्येक तीन वर्षों में चलता है, जिसमें नए सदस्य बनाए जाते हैं। यह प्रक्रिया ब्लॉक, वार्ड और मोहल्ला स्तर तक संचालित की जाती है। अभियान की अगुआई मध्यप्रदेश जमीअत के अध्यक्ष हाजी मोहम्मद हारून के नेतृत्व में की जा रही है, जबकि कैम्पों का संचालन महासचिव एडवोकेट मोहम्मद कलीम कर रहे हैं। उन्होंने बताया कि ऑनलाइन माध्यम से भी सदस्यता लेना अब बेहद आसान हो गया है। जमीअत उलमा-ए-हिन्द की वेबसाइट के माध्यम से कोई भी व्यक्ति घर बैठे फॉर्म भरकर जमीअत का सदस्य बन सकता है। सदस्यता अभियान के तहत जमीअत की टीम प्रदेशभर में वार्ड, मोहल्ला और गांव-गांव जाकर जनसंपर्क के माध्यम से नव सदस्य बना रही है। कल से भोपाल के पुराने शहर में भी सदस्यता कैम्प लगाए जाएंगे, जहां बड़ी संख्या में लोगों के शामिल होने की उम्मीद है।

नई चिंता: टोमेटो फ्लू के मामले बढ़े, कोरोना जैसा ही संक्रामक

भोपाल दोपहर मेट्रो। राजधानी व आसपास के क्षेत्रों में इस मौसम में हैंड-फुट-माउथ डिजीज यानी टोमैटो फ्लू एक बार फिर बच्चों को अपनी चपेट में लेने लगा है। हमीदिया अस्पताल के बाल रोग विभाग की ओपीडी में आने वाले 10 फीसदी बच्चों में यह रोग मिल रहा है। डॉक्टरों का कहना है कि अकेले उनकी ओपीडी में रोजाना 45 से 50 बच्चों में से 4-5 बच्चों में फीवर विथ रैशेज की समस्या देखने को मिल रही है। यदि पहले बच्चे को बुखार आए और फिर 3 से 4 दिन बाद हथेलियों, तलवों और मुंह के अंदर और बाहर लाल चकत्ते दिखाई दें, तो यह हैंड-फुट-माउथ डिजीज हो सकती है।

बच्चों को जल्द बनाता है शिकार

चिंताजनक बात यह कि यह बीमारी लगभग कोरोना की तरह फैलती है। बताया जाता है कि कुछ साल पहले तक यह बीमारी सिर्फ 10 साल तक के बच्चों में ही देखी जाती थी। मगर बीते पांच साल से 13-14 साल के बच्चों में भी इस बीमारी के लक्षण देखने को मिल रहे हैं। साथ ही लाल चकत्ते हाथ, पैर और मुंह के साथ कमर के नीचे और आसपास के हिस्सों में भी देखे जा रहे हैं। यह एंटीरोवायरस और कॉक्ससेकी वायरस के कारण होने वाला एक वायरल रोग है। टमाटर फ्लू केवल इसलिए कहा जाता है क्योंकि इसमें फफोले बड़े और ज्यादा लाल होते हैं।

बीमारी के लक्षण

बुखार व सिरदर्द, चेहरे, पैरों के तलवों और हथेलियों पर भी लाल दाने होना, गले में खराश,कमजोरी,भूख की कमी.जीभ और गाल के अंदर छाले। बताया जाता है कि पीडित की छींक आने से भी इसके वायरस दूसरों तक जा सकते हैं।

मुख्यमंत्री ने रामचंदानी को किया सम्मानित

हिरदाराम नगर। शिक्षिका वंदना रामचंदानी को उनके उत्कृष्ट कार्यों के लिए सम्मानित किया गया है। गुरु पूर्णिमा पर प्रदेश के मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने वंदना रामचंदानी को सम्मानित किया। मुख्यमंत्री ने कहा कि वंदना रामचंदानी ने अपने लगभग तीन वर्ष के अल्प कार्यकाल में एक मिसाल कायम की है। खेलकूद और अन्य गतिविधियों में कमला नेहरू विद्यालय की छात्राओं को 2 स्वर्ण पदक, 6 रजत पदक और 10 कांस्य पदक दिलवाने में योगदान दिया है।

अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान के साथ नेपाल के अफसरों ने की चर्चा

भोपाल दोपहर मेट्रो

राजधानी के अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान (एम्स) में नेपाल दूतावास के उच्च स्तरीय प्रतिनिधिमंडल ने दौरा किया। प्रतिनिधिमंडल ने एम्स के निदेशक डॉ. अजय सिंह और संस्थान के वरिष्ठ प्रशासनिक अधिकारियों के साथ औपचारिक बैठक की। इसमें भारत और नेपाल के बीच द्विपक्षीय शैक्षणिक संबंधों को मजबूत करने, विदेशी छात्रों के कल्याण को बढ़ावा देने और दोनों देशों के चिकित्सा संस्थानों के बीच सहयोग की संभावनाओं पर चर्चा हुई। प्रतिनिधिमंडल में मंत्री काउंसलर अंबिका जोशी, काउंसलर (आर्थिक) रवीन्द्र जंग थापा और पीएचडी चैंबर ऑफ कॉमर्स एंड इंडस्ट्री के रेजिडेंट मैनेजर अनिरुद्ध दुबे शामिल थे। इस दौरे का उद्देश्य भारत में नेपाली विद्यार्थियों के लिए बेहतर अध्ययनरत व्यवस्था बनाना और भारत, नेपाल के बीच चिकित्सा शिक्षा में सहयोग की संभावनाओं को बढ़ावा देना था। दौरे के दौरान, प्रतिनिधिमंडल ने एम्स में अध्ययनरत विदेशी छात्रों से मुलाकात की, जहां छात्रों ने अपनी शैक्षणिक प्रगति, अनुभव और विभिन्न मुद्दों पर अपने विचार रखें।

मैट्रो एंकर

सेवासदन-मेला समिति का निःशुल्क नेत्र शिविर

168 रोगियों की जांच, 52 मोतियाबिंद के रोगी, आज होंगे ऑपरेशन

हिरदाराम नगर, दोपहर मेट्रो

सेवा सदन नेत्र चिकित्सालय ने भोपाल उत्सव मेला समिति के सहयोग से आज, 13 जुलाई 2025 को, श्यामला हिल्स स्थित मानस भवन में एक निःशुल्क नेत्र रोग परीक्षण एवं मोतियाबिंद ऑपरेशन शिविर का सफल आयोजन किया।

शिविर का शुभारंभ भोपाल उत्सव मेला समिति के पदाधिकारियों और सेवा सदन के ट्रस्टियों द्वारा देवी-देवताओं के चित्रों पर माल्यार्पण और दीप प्रज्वलन के साथ किया गया। इस दौरान, कुल 168 रोगियों की आँखों की गहन जाँच की गई, जिनमें 94 पुरुष और 74 महिलाएँ शामिल थीं। जाँच के उपरांत, 52 रोगियों में मोतियाबिंद की शिकायत पाई गई। इन चिन्हित रोगियों को एम्बुलेंस के माध्यम से सेवा सदन नेत्र चिकित्सालय लाया गया और भर्ती किया गया है। उनके मोतियाबिंद के ऑपरेशन सोमवार को किए जाएँगे।

जिन रोगियों को मोतियाबिंद की शिकायत नहीं थी, उन्हें निःशुल्क दवाइयाँ प्रदान की गईं। इसके अतिरिक्त, शिविर में उनके रक्तचाप (ब्लड प्रेशर) और मधुमेह (शुगर) की भी जाँच की गई। यह शिविर भोपाल में वर्षाकाल के दौरान आयोजित किए जा रहे निःशुल्क नेत्र शिविरों की श्रृंखला में तीसरा था। अगला शिविर रविवार, 20 जुलाई को दुबई सिंधी महिला धर्मशाला, गांधीनगर में आयोजित किया जाएगा। इस अवसर पर चंद्रशेखर सोनी, सुनील जैनाविन, नारायण सिंह कुशवाहा, प्रदीप अग्रवाल, कमल जैन श्वेता, योगेंद्र मुखरैया, वीरेंद्र जैन श्रीजी, शैलेंद्र निगम, तथा सेवा सदन के ट्रस्टी सुरेश आवतरामानी और अन्य स्टाफ सदस्यों ने अपनी सेवाएँ प्रदान कीं।

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने रविवार को दुबई में बीएपीएस स्वामीनारायण मंदिर का भ्रमण किया।

नियमितीकरण समेत 9 मांगें

बिजलीकर्मियों ने बारिश में भीगते हुए किया नाराजगी का इजहार

दोहपर मेट्रो, भोपाल।

बिजली कर्मियों का गुस्सा आजकल उफान पर है। राजधानी के नीलम पार्क में प्रदेशभर के बिजली कर्मचारियों ने गत दिवस पानी में भीगते हुए प्रदर्शन किया पानी की फुहारे भी उनका गुस्सा ठंडा नहीं कर सकीं। यह धरना प्रदर्शन यूनाइटेड फोरम फॉर पावर एम्पलाई एंड इंजीनियर्स के बैनर तले हुआ। जिसमें बिजली विभाग के संविदा कर्मियों की नियमितीकरण समेत 9 सूत्रीय मांगों को लेकर सरकार के प्रति नाराजगी जताई।

फोरम के अध्यक्ष वीकेएस परिहार ने प्रदर्शन स्थल पर कहा कि, हम शासन से लगातार मांग कर रहे हैं कि संविदा कर्मियों को नियमित किया जाए। हाल ही में सरकार ने जो नया ऑर्गेनाइजेशन स्ट्रक्चर पास किया है, उसमें 50 हजार नई पोस्ट शामिल हैं। हमारी मांग है कि पहले से विभाग में काम कर रहे 5 हजार संविदा कर्मचारियों को ही इनमें समायोजित किया जाए, उसके बाद नई भर्ती की जाए। ये कर्मचारी अनुभवी हैं और सालों से सेवाएं दे रहे हैं। परिहार ने बिजली विभाग में पहले से काम कर रहे आउटसोर्स कर्मियों को भी 50फीसद आरक्षण की वकालत की। इसके साथ ही विभाग के लिए स्थानांतरण नीति बनाई जाए, जिससे कर्मचारियों को पारदर्शी व्यवस्था का लाभ मिल सके। उन्होंने कहा, हम बीते एक साल से बातचीत का इंतजार कर रहे हैं, लेकिन शासन की ओर से कोई ठोस पहल नहीं हुई। यह प्रदर्शन शासन का ध्यान आकर्षित करने का एक प्रयास है। यदि अक्टूबर माह तक हमारी मांगों पर निर्णय नहीं लिया गया, तो फोरम बड़ा आंदोलन करेगा।

गड़बडा सकती है बिजली आपूर्ति

उल्लेखनीय है कि बिजली विभाग में करीब 5 हजार संविदा कर्मचारी कार्यरत हैं। ये सभी कर्मचारी लिखित परीक्षा, इंटरव्यू और मेरिट प्रक्रिया से चयनित हुए हैं, लेकिन नियमितीकरण न होने के चलते वे भविष्य को लेकर चिंतित हैं। पिछले कुछ महीनों में ट्रांसमिशन और डिस्ट्रीब्यूशन विभाग के 100 से ज्यादा संविदा कर्मचारी नौकरी छोड़ चुके हैं। आंदोलनरत फोरम का कहना है कि 10 से 12 वर्षों से सेवाएं दे रहे अनुभवी कर्मचारी बेहतर भविष्य की तलाश में दूसरे विभागों में शिफ्ट हो रहे हैं। यदि जल्द ही सरकार ने सकारात्मक निर्णय नहीं लिया, तो बिजली सप्लाई व्यवस्था भी प्रभावित हो सकती है।

मप्र के पूर्व सीजे ने कॉलेजियम सिस्टम पर उठाए सवाल

भोपाल। मध्यप्रदेश के पूर्व मुख्य न्यायाधीश सुरेश कुमार कैत ने कॉलेजियम सिस्टम पर सवाल उठाए हैं। उन्होंने कहा- राज्य सरकार के डाटा के अनुसार प्रदेश में एसटी-एससी और बैकवर्ड क्लास 90 प्रतिशत से ऊपर हैं। लेकिन, मध्यप्रदेश हाईकोर्ट में आज तक एसटी-एससी का एक भी जज न तो सर्विस से आया और न ही एडवोकेट जज बना। जस्टिस कैत कल भोपाल के समन्वय भवन में दलित, ओबीसी, माइनॉरिटीज एवं आदिवासी संगठनों के परिसंघ के सम्मेलन को संबोधित कर रहे थे। इसमें परिसंघ के राष्ट्रीय अध्यक्ष और पूर्व सांसद उदित राज, पूर्व सीएम दिग्विजय सिंह और परिसंघ के प्रदेश अध्यक्ष एआर सिंह भी मौजूद थे। इस मौके पर कैत ने कहा- मप्र हाईकोर्ट 1956 का है। कॉलेजियम में कोई खराबी नहीं, मैं बताता हूं कि बेइमानी क्या है?

- प्रदेश के 124 इंजीनियरिंग कॉलेजों की रिक्त सीटों पर प्रवेश के लिए द्वितीय चरण जारी

तकनीकी शिक्षा: बीस हजार विद्यार्थियों ने कराए पंजीयन, इनमें 15 हजार हुए 12वीं के आधार पर

दोहपर मेट्रो, भोपाल।

प्रदेश के 124 इंजीनियरिंग कॉलेजों की रिक्त सीटों पर प्रवेश के लिए तकनीकी शिक्षा विभाग की द्वितीय चरण की काउंसलिंग जारी है। इसके लिए अंतिम दिन शनिवार तक लगभग बीस हजार विद्यार्थियों ने पंजीयन कराए हैं। इसमें करीब 15 हजार विद्यार्थी 12वीं के आधार पर पंजीकृत हुए हैं। जबकि शेष पांच हजार विद्यार्थियों ने जेईई मेंस के आधार पर पंजीयन कराया है। विभाग पंजीकृत बीस हजार विद्यार्थियों रविवार और सोमवार को पंजीयन में सुधार कराएगा। उन्हें 16 जुलाई तक च्वाइस फिलिंग करने का मौका दिया जाएगा। बता दें कि राज्य के सभी इंजीनियरिंग कॉलेजों की 61 ब्रांच में 62 हजार 584 सीटें हैं।

17 को आएगी मेरिट, 21 को आवंटन: द्वितीय चरण की काउंसलिंग के तहत तकनीकी शिक्षा विभाग 17 जुलाई को मेरिट जारी करेगा। इसमें कोई आपत्ति नहीं आने की दशा में विभाग 21 जुलाई को आवंटन करेगा। विद्यार्थी 25 जुलाई तक शाम पांच बजे तक फीस जमा कर प्रवेश ले पाएंगे।

प्रथम चरण में करीब 15 हजार प्रवेश

प्रथम चरण में करीब 15 हजार विद्यार्थियों ने कॉलेज में पहुंचकर प्रवेश ले लिया है। अभी भी करीब करीब 47 हजार सीटें रिक्त हैं। विभाग ने प्रथम राउंड में 23 हजार 765 विद्यार्थियों का अलॉटमेंट जारी किया था। इसमें करीब नौ हजार 201 विद्यार्थियों ने प्रवेश लिया था। विभाग का अलॉटमेंट पसंद नहीं आने पर विद्यार्थियों प्रवेश के स्थान पर अपग्रेडेशन का विकल्प लिया था। इसमें से आठ हजार 883 विद्यार्थियों को आवंटन जारी किया। इसमें करीब तीन हजार विद्यार्थियों को दोबारा अलाटमेंट रास नहीं आया और उन्होंने प्रवेश छोड़कर दूसरे राउंड में प्रवेश लेना उचित समझा है। इससे जेईई मेंस में पंजीकृत विद्यार्थियों की संख्या पांच हजार पहुंच गई है।

भारतीय जनता पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष व विधायक हेमन्त खण्डेलवाल ने केंद्रीय मंत्री शिवराजसिंह चौहान के भोपाल स्थित निवास पहुंचकर सौजन्य भेंट की।

पर्यावरण संरक्षण एवं शासन निर्देशों के अनुपालन पर भी दिया गया विशेष ध्यान

मुस्कान बालिका गृह में पहुंचा निरीक्षण दल, बच्चियों की शिक्षा, स्वास्थ्य एवं पुनर्वास व्यवस्था पर संतोष

दोहपर मेट्रो, इटारसी

महिला एवं बाल विकास विभाग, नर्मदापुरम के निर्देशानुसार सभी बाल संरक्षण संस्थाओं के निरीक्षण एवं मूल्यांकन के क्रम में एडीएम डी.के. सिंह के नेतृत्व में एक विशेष निरीक्षण दल ने मुस्कान बालिका गृह, इटारसी का दौरा किया।

इस अवसर पर उनके साथ महिला बाल विकास अधिकारी ललित कुमार डेहरिया, बाल संरक्षण अधिकारी आशु पटेल एवं रईस कुमार, बाल कल्याण समिति के अध्यक्ष शैलेन्द्र कौरव, सदस्य श्याम सिंह मीणा एवं श्रीमती सारिका कतरे तथा समाजसेवी डॉक्टर देवदत्त भी उपस्थित रहे। निरीक्षण के दौरान दल ने बच्चियों से संवाद कर उनकी शिक्षा, स्वास्थ्य, सुरक्षा एवं पुनर्वास व्यवस्था की जानकारी प्राप्त की। एडीएम डी.के. सिंह ने पूर्व में संस्थान परिसर में लगाए गए पौधे का निरीक्षण किया एवं नए पौधों का वृक्षारोपण भी किया। उन्होंने पर्यावरण संरक्षण में संस्था की सक्रिय भागीदारी की सराहना की। संस्था के संचालक मनीष ठाकुर ने बताया कि वर्तमान में 33 बच्चियाँ संस्था में निवासरत हैं, जबकि इस वर्ष 45 बालिकाओं का सफल पुनर्वास किया गया है। सभी बच्चियाँ शिक्षा से जुड़ी हुई हैं एवं स्वरोजगार के लिए प्रशिक्षण भी प्राप्त कर रही हैं।

एडीएम ने कहा

फबालिकाओं के सुरक्षित, स्वस्थ और स्नेहमयी वातावरण में पालन-पोषण के लिए शासन पूर्णत: प्रतिबद्ध है। पर्यावरण संरक्षण, स्वच्छता, पोषण और शिक्षा के साथ-साथ बच्चियों के सर्वांगीण विकास हेतु सभी बाल संरक्षण संस्थाओं का समय-समय पर निरीक्षण अत्यंत आवश्यक है। संस्थानों को निर्देशित किया गया है कि वे शासन द्वारा जारी मानकों का गंभीरता से पालन करें एवं यह सुनिश्चित करें कि बच्चों को सुरक्षित, सम्मानजनक एवं विकासशील वातावरण मिले।

नपा ने बढ़ाया किराया, व्यापारी पहुंचे कलेक्टर के पास

कलेक्टर ने सीएमओ के सामने व्यापारियों को दिया आश्वासन, बढ़े किराए का जल्द होगा समाधान

दोहपर मेट्रो, इटारसी

नगर पालिका परिषद इटारसी द्वारा साधारण व्यापक सम्मेलन में विगत 27 फरवरी को अपने एजेंडे के निर्णय क्रमांक छह के तहत बाजार क्षेत्र की समस्त किराना दुकानों के किराए में तीन रुपए प्रति वर्ग फुट प्रति माह की वृद्धि तथा नगर सुधार न्यास द्वारा निर्मित लक्कडगंज एवं नगर पालिका के नीचे वाली दुकानें एवं न्यास कालोनी स्थित दुकानों का किराया राशि एक रुपए प्रति वर्ग फुट प्रति माह की दर से वृद्धि वित्तीय वर्ष 2025-26 से किए जाने तथा प्रत्येक तीन वर्ष उपरांत स्वत:-ही दुकान किराए में समयानुसार प्रचलित दर का 20 प्रतिशत वृद्धि करने का निर्णय लिया गया था।जिसके बाद व्यापारियों द्वारा स्थानीय विधायक को व्यापारिक समस्या बताते हुए किराए वृद्धि को कम करने की मांग की थी। इटारसी व्यापार महासंगठन के पदाधिकारियों ने 12 जुलाई शनिवार को कलेक्टर कार्यालय पहुंचकर कलेक्टर को किराए वृद्धि संबंधित समस्या बताई गई। व्यापारियों का तर्क था कि विगत 10 वर्षों से इटारसी बाजार के व्यापार में अत्याधिक गिरावट हुई है।

विधायक द्वारा दान दी गई जमीन से ग्रामीणों को मिलेगी स्वास्थ्य सुविधाएं

भोपाल। सच्चे जनप्रतिनिधि वही होते हैं जो ज़रूरत के समय सिर्फ बातें नहीं बल्कि अपने अच्छे कार्यों से मिसाल पेश करते हैं। जबलपुर जिले के कुंडम विकासखंड के ग्राम पड़रिया में हाल ही में तैयार हुआ 'आयुष्मान आरोग्य मंदिर' इसका जीवंत उदाहरण है। यह कोई साधारण स्वास्थ्य केंद्र नहीं बल्कि स्थानीय विधायक श्री संतोष वरकड़े की दूरदर्शिता, संवेदनशीलता और अपने क्षेत्र के प्रति गहरे समर्पण का प्रतीक है। फरवरी 2023 में जब पड़रिया गांव के लिए एक प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र की स्वीकृति मिली, तो पूरे क्षेत्र में उत्साह की लहर दौड़ गई। लेकिन भूमि उपलब्ध नहीं होने से कई महीनों तक स्वास्थ्य केंद्र का निर्माण शुरू नहीं हो सका और परियोजना अधर में लटकी रही।

मेट्रो एंकर

18 जुलाई से आवेदन की शुरूआत होगी

न समय पर खुलते हैं स्कूल, न ही समय पर आते हैं शिक्षक

दोहपर मेट्रो, सिवनी मालवा

सरकार से शिक्षा के नाम पर महीने में मोटी पगार लेकर अपना और अपने परिवार का जीवन को खुशहाल तो बना रहे हैं वहीं दूसरी ओर जिस बात के लिए उन्हें तनख़ा दी जा रही है कि वह स्कूली बच्चों को पढ़ा लिखा कर भविष्य बनाएं। अब आप ही बताइए कि इस स्थिति में शिक्षा का स्तर कहां जाएगा जहां ना तो समय पर स्कूल खुल पा रहे हैं और ना ही समय पर शिक्षक स्कूलों में पहुंच पा रह हैं।

आए दिन शिक्षा विभाग और लापरवाह शिक्षकों खबारों की सुर्खियों में रहने के बाद स्थानीय प्रशासन उच्च अधिकारियों के दिशा निर्देशनों पर स्कूलों का भ्रमण पर निकलने के बाद उन्हें भी स्कूलों में शिक्षक नदारत ही दिखे अब आप इस बात का अंदाजा लगाइए की सिवनी मालवा विकासखंड में शिक्षकों की मनमानी शिक्षा विभाग को मुंह चिढ़ाती हुई नजर आ रही है। या यू कहें की ग्रामीण क्षेत्रों में शिक्षकों की मनमानी थमने का नाम नहीं ले रही है शिक्षकों के स्कूल आने-जाने का समय निर्धारित नहीं है। शिक्षक अपनी मनमर्जी से स्कूल आ जा रहे हैं। वहीं कुछ शिक्षक विभागीय कार्यों का हवाला देकर स्कूल नहीं आते हैं शिक्षा कर्मी के भरोसे स्कूल छोड़ दिया हैं शिक्षा विभाग कि लाचरी व्यवस्था के कारण स्कूल पढ़ने वाले बच्चों के साथ खिलवाड़ हो रहा है नये शिक्षा सत्र की शुरुआत से पहले जिला शिक्षा अधिकारी ने संस्था प्रमुखों की बैठक लेकर शिक्षकों को समय पर स्कूल आने की हिदायत दी थी। जिसके बाद भी स्थिति नहीं सुधर रही है। कई शिक्षक ऐसे हैं जो मुख्यालय में रहने के बजाय आना जाना करते हैं। विभाग को भी इसकी जानकारी है। लेकिन कार्रवाई नहीं हो रही है। जिसके चलते लापरवाह शिक्षकों के हौसले बुलंद हैं।

एसडीएम का निरीक्षण : शिक्षा विभाग की पोल खोली

एसडीएम सरोज परिहार ने ग्रामीण क्षेत्र के स्कूलों का निरीक्षण शनिवार को किया जिसमें बच्चों तो शासकीय स्कूलों में गए थे लेकिन शिक्षकों का कोई अता-पता नहीं था एसडीएम सरोज परिहार ने जिला शिक्षा अधिकारी को निरीक्षण प्रतिवेदन बनाकर भेजा है 10.47 बजे पर प्राथमिक शाला नरी का निरीक्षण करने एसडीएम परिहार पहुंची तो निरीक्षण के दौरान स्कूल खुला मिला बच्चे पढ़ रहे थे किन्तु शाला में पदस्थ एक भी शिक्षक निरीक्षण के दौरान उपस्थित नहीं थे उपस्थित छात्रों द्वारा बताया गया कि स्कूल हमारे द्वारा ही खोला जाता है। और शिक्षक का कोई समय नहीं है कभी 12 बजे कभी 2 बजे बजे आते हैं वही माध्यमिक शाला नरी के निरीक्षण के दौरान वहा पर कोई शिक्षक उपस्थित नहीं मिले। छात्रों द्वारा बताया गया कि हमारे विद्यालय में 03 शिक्षक है परन्तु वह अभी स्कूल नहीं आये और स्कूल हमारे द्वारा ही खोला जाता है 11 बजे प्राथमिक शाला केवलाझीर का निरीक्षण के दौरान छात्रों द्वारा स्कूल को खोला गया। वहाँ पर भी कोई शिक्षक उपस्थित नहीं मिले जिससे एसडीएम परिहार ने नाराजगी जताई 11.20 बजे माध्यमिक शाला पीपलगोटा का निरीक्षक किया गया। जिसमें वहाँ पर पदस्थ 02 अतिथि शिक्षक उपस्थित मिले एवं प्रधान पाठक अजय उईके अनुपस्थित मिले।11.31 बजे एकीकृत प्राथमिक शाला भावंदा निरीक्षक किया गया। जिसमें शाला में पदस्थ हीरालाल उईके प्राथमिक शिक्षक, घुडन सिंह भुसारे, प्राथमिक शिक्षक, बंसत अखण्डे, प्रियंका उईके, आशाराम मवासे अतिथि शिक्षक अनुपस्थित मिले केवल 01 शिक्षक प्रकाश भुसारे उपस्थित मिले। साथ ही छात्रों द्वारा बताया कि शिक्षक शाला में आने बाद मोबाइल चलाते हैं एवं मध्यान्ह भोजन भी दोपहर 2 बजे तक मिलता है 11.59 एकीकृत माध्यमिक शाला बारासैल के निरीक्षक के दौरान लखनलाल यादव प्राथमिक शिक्षक अनुपस्थित मिले। केवल 02 अतिथि शिक्षक उपस्थित मिले।

संपादकीय

रूढ़ियां, सोच और समाज

कई बार ऐसा कुछ हो जाता है या सामने आ जाता है कि हमें अपनी तरक्की और अंतरिक्ष तक पहुंच जाने की उपलब्धियों पर ठिठककर सोचना पडता है। हाल में दो ऐसी घटना सामने आई हैं जो बताती है कि हमारे समाज में आज भी लोगों के मन के पर्दे बहुत गहरे हैं। एक घटना हरियाणा के गुरुग्राम की है तो दूसरी महाराष्ट्र के ठाणे की। लगता है कि भारत में आज भी कई तरह की रूढ़ियां मजबूती से जमी हैं। इसकी वजह यही है कि हम कई मामलों में मानसिक रूप से दशकों पीछे जी रहे हैं। अन्यथा ठाणे के एक स्कूल जैसी जगह पर माहवारी की जांच के नाम पर स्कूली छात्राओं के कपड़े नहीं उतरवाए जाते। इससे अधिक अफसोसनाक बात क्या हो सकती है कि ठाणे जिले के जिस विद्यालय में पढ़ने वाली बच्चियों को भावनात्मक रूप से ठेस पहुंचाया गया, वहां प्रधानाचार्य खुद एक महिला हैं। परिसर में उनके रहते यह सब हुआ। विचित्र यह है कि शौचालय में फर्श पर खून के धब्बे होने की जानकारी के बाद जहां प्रधानाचार्य और अन्य शिक्षिकाओं को बेहद संवेदनशील तरीके से पेश आने की जरूरत थी, वहां बच्चियों को न केवल स्कूल सभागार में बुलाया गया, बल्कि सार्वजनिक रूप से उनसे यह पूछा गया कि क्या उनमें से कोई मासिकधर्म चक्र से गुजर रही है। जिन छात्राओं ने इनकार किया, उनकी अभद्र तरीके से जांच की गई। निस्संदेह बच्चियों से यह व्यवहार अक्षम्य है, इसलिए महाराष्ट्र की सरकार ने उचित कार्रवाई की और इस मामले में प्रधानाचार्य सहित एक महिला कर्मी को गिरफ्तार तक किया गया। पूरे मामले की जांच के आदेश भी दिए गए है। इससे बड़ी विडंबना क्या होगी कि महिलाओं के जिस प्राकृतिक चक्र या अवस्था को समझने-जानने और बच्चियों को उचित तरीके से शिक्षित करने की जरूरत है, वहां स्कूल जैसी जगह में भी उनके साथ ऐसा बर्ताव किया जाता है। वैसे तो पारंपरिक जड़ता के घेरे में घरों-परिवारों में महावारी के दौरान लड़कियों के प्रति कई तरह के दुराग्रह पहले ही मौजूद रहे हैं। जबकि यह सिर्फ स्वास्थ्य से जुड़ा विषय है। अफसोसनाक यह है कि जब किसी स्कूल की प्रधानाचार्य और शिक्षिकाओं की समझ ही इस विषय पर पूर्वाग्रहों से भरी है, तो जड़ मानसिकता वाले समाज से क्या उम्मीद की जाएगी। उधर मार्डन हो चुके गुरूग्राम में जिस तरह एक व्यक्ति ने अपनी बेटी की हत्या कर दी, उसने एक बार फिर सबको यह सोचने पर मजबूर किया है कि आजादी के सात दशक बाद और विकास के तमाम आधुनिक मूल्यों के बीच समाज आखिर विरोधाभासों की कितनी परतों के बीच जीता है। वहां राज्य स्तरीय टेनिस खिलाड़ी रही एक लड़की की उसके पिता ने गुस्से में आकर गोलीमार कर हत्या कर दी। बताया जा रहा है कि इसकी वजह यह थी कि बेटी के एक टेनिस अकादमी चलाने की वजह से पिता को समाज में कुछ लोग अक्सर ताने मारते थे। किसी भी स्थिति में क्या यह इतनी बड़ी वजह हो सकती है कि इससे खफा होकर कोई पिता अपनी बेटी की जान तक ले? हालांकि जांच में हो सकता है और भी कुछ वजहें सामने आएं। लेकिन एक विकासमान समाज तभी तक आगे का सफर जारी रख सकता है, जब वह बदलते वक्त के नए मूल्यों को आत्मसात करता है और अपने प्रगतिशील विवेक के साथ बदलाव में संतुलन कायम रखता है। समाज की नई पीढ़ी बदलाव में अपनी जगह बनाने के लिए वक्त की जरूरतों के साथ तालमेल बैठाने की कोशिश करती है, लेकिन उसके सामने संकीर्णता व सामाजिक रूढियां दीवार बनी रहती हैं।

सत्ता के खेल में बिहार, मुंबई सहित भारत की आबरू बदनाम न करो

आलोक मेहता

आपने कभी यह गाना सुना होगा - ' दीवानों ऐसा काम न करो , राम का नाम बदनाम न करो ' । इसलिए मुझे सत्ता के खिलाडियों से एक अनुरोध करने की इच्छा होती है - ' सत्ता के दीवानों कृपया बिहार , मुंबई , दिल्ली सहित भारत को बदनाम न करो ।' इन दिनों बिहार चुनाव से पहले 'लालू के जंगल राज' या 'नीतीश राज में अपराध बेकाबू' के आरोपों पर जमकर राजनीति हो रही है । मुंबई में राज उद्धव ठाकरे को मुंबई महानगरपालिका के 75 हजार करोड़ के बजट वाले खजाने पर चुनाव में जीत से कब्जे के लिए भाषा के नाम पर मारपीट की गूंज देश दुनिया तक पहुँच रही है ।

दिल्ली चुनाव में चुनावी पराजय से घायल केजरीवाल राहुल गाँधी कभी पानी कभी अपराध पर हाय हाय कर रहे हैं । हम जैसे पत्रकार या कोई भी नागरिक अपराध बढ़ने की बात से चिंतित होते हैं , लिखते बोलते भी हैं , लेकिन यदि सही ढंग से सोचे विचारें तो सुधार की बात पर जोर देना चाहते हैं । यह बात इसलिए कहना पड़ी कि लंदन में भारत के लिए पूंजी निवेश के लिए एक बड़ी फाइनेंस कंपनी में बड़े पद पर कार्य कर रही रीतिका लंगर ने फोन पर हमसे पूछा कि % क्या मुंबई दिल्ली पटना की तरह अन्य बड़े शहरों में भी भयानक अपराध और राजनीतिक अस्थिरता है ? कई इन्वेस्टर इस तरह की आशंका करने लगे हैं । 'मेरा उत्तर था -' उनसे कहो अपने लन्दन और न्यूयार्क का क्राइम रिकॉर्ड देख लें । बहुत हद तक उनसे अधिक सुरक्षित भारत के अधिकांश इलाके हैं ।

इसी तरह किसीका पक्ष लिए बिना हम राहुल गाँधी , तेजस्वी यादव , अरविन्द केजरीवाल तथा उनके सलाहकारों को अपने नेता के पसंदीदा लंदन के बढ़ते अपराधों रिकॉर्ड को देखने का कष्ट करने के लिए कहेंगे, तो शायद उन्हें अपने आरोपों के बोर्ड हटाकर कुछ और मुद्दे ढूंढने पढ़ेंगे । कृपया इस बात को मेरा पूर्वाग्रह मत मानिये । ब्रिटिश रिटेल कंसोर्टियम के अनुसार पिछले साल 2023 - 24 में दुकानों को लूटने की दो करोड़ घटनाएं हुई , जिससे करीब दो अरब पाउंड्स यानी 200 अरब रुपयों का सामान लूटा गया प्रतिदिन लूटमार की करीब दो हजार घटनाएं हो रही है । क्या भारत के किसी प्रमुख शहर में रोज

बाजार की दुकानों से चार पांच के गिरोह में आकर मनचाहा सामान लूटने की घटनाएं सामने आती है ? क्या स्टोर के प्रबंधन से स्टाफ को उन्हें न रोकने के निर्देश होते हैं ? जी नहीं । राजनीतिक प्रशासनिक भ्रष्टाचार अलग बात है। लेकिन लन्दन और ब्रिटेन के स्टोर्स के प्रबंधन के यही निर्देश हैं । वहां बड़े सूटकेस या ट्रॉली लेकर आने वाले गिरोह कई दुकानों को एक साथ लूटते हैं। एक दुकान को एक ही दिन में तीन बार लूटा गया । पुलिस की निष्क्रियता का फायदा लेते हुए ऐसे गिरोह इसे अधिकार / लाइसेंस समझते हैं , क्योंकि जब दस चोरी हुई, लेकिन रिपोर्ट दर्ज ही नहीं हुई । स्टोर स्टाफ के साथ 1,300 हिंसा की घटनाएँ हुई जो पिछले वर्ष से 50 प्रतिशत अधिक है । यह अपराध अक्सर संगठित गिरोहों द्वारा योजनाबद्ध तरीके से हो रहे हैं । ?2023-?2024में लंदन में 116 हत्याएँ दर्ज की गई–जो 2022-23 में 112 से थोड़ी बढ़ोतरी थी । बिहार और भारत को कोसने वाले यह तथ्य भी देखें कि लंदन में करीब 55,860 चोरी के मामले दर्ज हुए और उनमें से केवल 3,462 मामलों में ही आरोप तय हुए । लंदन में अपराध बढ़ने के कारण महंगाई और बेरोजगारी .युवाओं में गैंग गतिविधि और नशे ड्रग्स की लत बताए जाते हैं । लेकिन सबसे दिलचस्प बात यह है कि सारी समस्याओं के बावजूद एक प्रस्ताव पारित किया। राज्यों की सरकारें और गृह मंत्री अमित शाह कानून व्यवस्था को सुधरने , पुलिस बल की संख्या , साधन बजट बढाने के निर्णय बराबर कर रहे हैं । लेकिन अपराधों में लगातार वृद्धि के बावजूद सम्पन्न विकसित देश ब्रिटेन की सरकार पुलिस की संख्या में कमी के बावजूद उसमें कटौती छंटनी और इस साल के बजटमें कटौती तक कर रही है ।

ग्रेटर लंदन की आबादी लगभग 90 लाख है । लंदन यूरोप का तीसरा सबसे अधिक आबादी वाला शहर है । ब्रिटेन की आबादी करीब 7 करोड़ है । मार्च 2025 तक लंदन की मेट्रो पुलिस में लगभग 33,201 नियमित और 1,127 विशेष पुलिस अधिकारी हैं । इस तरह प्रति 100,000 लंदनवासियों लगभग 310 पुलिस अधिकारी हैं । 2025-26 में मेट्रो पुलिस के पास लगभग 400-450 मिलियन की बजट कमी बताई जाती है, जिससे लगभग 2,300 अधिकारी और 400 स्टाफ की कटौती हो सकती है । यह अधिकारियों को 'सबसे कम स्टाफ स्तर' पर पहुँचा सकता है, जिससे सार्वजनिक सुरक्षा और गश्त प्रभावित हो सकते हैं ।

इधर पटना मेट्रोपॉलिटन क्षेत्र की जनसंख्या लगभग 27 लाख है । । बिहार की आबादी लगभग 13 करोड़ है । यह भारत का दूसरा सबसे अधिक आबादी वाला राज्य माना जाता है ।

बिहार में हत्याओं में से लगभग 72-73त्न घटनाएं व्यक्तिगत दुश्मनी, जमीन, अनैतिक रिश्तों के कारण होती हैं । बिहार पुलिस दावा करती है कि संज्ञेय अपराध दर भारत औसत से कम है यानी 277.1 प्रति लाख जबकि 422.2 राष्ट्रीय औसत है ।... बिहार में हत्या की दर पिछले दो दशकों में लगभग आधी हुई है, और 2023 में 24 वर्षों में सबसे कम हुआ है। पिछले महीनों में 14,962 गिरफ्तारियां हुई हैं । पटना में हालिया गिराफ्तारी और गश्त से हत्या तथा अन्य अपराधों में कमी देखी गई है।पुलिस पर हमले और व्यापारी हत्याएं चिंताजनक बनी हैं, जिससे कानून व्यवस्था पर सवाल उठ रहे हैं।

पुलिस दावा करती है कि बिहार पूरे देश की तुलना में स्थिति बेहतर है, हालांकि विपक्ष गहरी असुरक्षा की बात कर रहा है। इसलिए लंदन या फिर कभी अमेरिका के अपराधों , गोलीबारी की घटनाओं पर ध्यान दीजिये और निश्चित रुप से भारत में अपराधों को रोकने के लिए राजनीतिक प्रशासनिक सामाजिक आर्थिक प्रयास भी निरंतर किए जाएं । एक दल और प्रदेश की नहीं देश की प्रतिष्ठा की रक्षा की जाए ।

लेखक वरिष्ठ पत्रकार हैं, यह उनके निजी विचार हैं)

आज का इतिहास

- 1223: फिलिप द्वितीय की मृत्यु के बाद उनके बेटे लुई फ्रांस के राजा बने।
- 1535 : सम्राट चार्ल्स पंचम ने ट्यूनिस पर विजय प्राप्त की
- 1570 : पोप पायस पंचम ने एक मानकीकृत रोमन मिसाल पेश की
- 1636: मुगल बादशाह शाहजहां ने औरंगजेब को दक्कन का वायसराय नियुक्त किया।
- 1789: फ्रांसीसी क्रांति की शुरुआत।
- 1790 : फ़ेते डे ला फ़ेडरेशन ने फ्रांसीसी क्रांति की पहली वर्षगांठ मनाई
- 1791 : प्रीस्टली दंगों के कारण जोसेफ प्रीस्टली को बर्मिंघम छोड़ने के लिए मजबूर होना पड़ा
- 1850: मशीन द्वारा जमाई गई बर्फ का पहला सार्वजनिक प्रदर्शन।
- 1853 : अमेरिकी राष्ट्रपति फ्रैंकलिन पियर्स ने 'सभी राष्ट्रों के उद्योग की प्रदर्शनी' का उद्घाटन किया
- 1870 : मैरी टॉड लिंकन को संयुक्त राज्य कांग्रेस द्वारा आजीवन पेंशन प्रदान की गई।
- 1909 : जर्मन चांसलर बर्नहार्ड वॉन ब्यूलो ने इस्तीफा दिया
- 1909 - ई. एम. एस. नमबूद्रिपद - प्रसिद्ध कम्युनिस्ट नेताओं में से एक और केरल के प्रथम मुख्यमंत्री।
- 1914: पहले तरल ईंधन आधारित रॉकेट की डिजाइन का पेटेंट रॉबर्ट एच गोगार्ड ने प्राप्त किया।
- 1920 - शंकरराव चह्वाण - भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस के राजनीतिज्ञ थे का जन्म।
- 1927: हवाई द्वीप में विमान की पहली व्यावसायिक उड़ान शुरू।
- 1929 - कैलाश चंद्र जोशी - भाजपा के राजनीतिज्ञ तथा मध्य प्रदेश के भूतपूर्व मुख्यमंत्री थे का जन्म।
- 1934 : न्यूयॉर्क टाइम्स ने गलती से बेबे रूथ के 700 घंटे के रिकॉर्ड को सर्वकालिक रिकॉर्ड घोषित कर दिया।
- 1938 : बेनिटो मुसोलिनी ने यहूदी-विरोधी अफ्रीकी घोषणापत्र प्रकाशित किया
- 1940: द्वितीय विश्वयुद्ध में जर्मनी के बमवर्षक विमानों ने स्वेज पर बमबारी की।
- 1942: वर्धा में कांग्रेस कार्य समिति की बैठक में ब्रिटिश सरकार से पूर्ण स्वतंत्रता की मांग करते हुए
- 1949 : चेक टेनिस स्टार जारोस्लाव ड्रोब्नी और व्लादिमीर सेर्निक का दलबदल
- 1951: सीबीएस चैनल पर घुड़दौड़ के रूप में किसी खेल कार्यक्रम का पहली बार रंगीन प्रसारण।
- 1953 : जॉर्ज वॉशिंगटन कार्वर का बचपन का घर किसी अश्वेत अमेरिकी को समर्पित पहला अमेरिकी राष्ट्रीय स्मारक बना
- 1963 : जैक्स एंक्वेटिल ने लगातार तीसरी बार टूर डी फ़्रांस जीता
- 1965: मंगल के पास से गुजरने वाले नासा के अंतरिक्ष यान ने किसी दूसरे ग्रह की पहली क्लोज अप तस्वीरें लीं।
- 1967 : एडी मैथ्यूज ने अपना 500वां होम रन मारा
- 1969: जयपुर में मालगाड़ी और यात्री गाड़ी की टक्कर में 85 लोगों की मौत।
- 1969: अमेरिका के वित्त मंत्रालय ने 500, 1,000, 5,000 और 10,000 डॉलर का नोटों बंद किया।
- 1972: तत्कालीन सोवियत संघ ने भूमिगत परमाणु परीक्षण किया।
- 1974 : बिली मार्टिन एक ही दिन में दो मैचों से बाहर होने वाले पहले एएल मैनेजर बने
- 1975: प्रसिद्ध हिंदी फिल्म संगीतकार मदन मोहन का निधन।
- 1987: ताइवान में 37 वर्षों के बाद मार्शल कानून समाप्त।
- 1991: इराक़ से ब्रितानी फ़ौज की वापसी।
- 1996: अमेरिका ने पाकिस्तान को ब्राउन संशोधन के अंतर्गत हथियार भेजने शुरू किये।
- 2008: नेपाल की कार्यकारी संसद ने प्रधानमंत्री के निर्वाचन वाले संविधान संशोधन विधेयक को मंजूरी दी।
- 2014: इंग्लैंड के चर्च ने महिलाओं को भी बिशप बनाने के पक्ष में वोट किया।
- 2015: नासा का न्यू होराइजन प्लूटो पर जाने वाला पहला अंतरिक्ष यान बना।
- 2018: एंजेलिक कर्बर ने विंबलडन महिला टेनिस जीता।
- 2019: नोवाक डोकोविच ने अब तक का सबसे लंबा विंबलडन पुरुष टेनिस फाइनल जीता।

सेहतमंद फसल पर मुनाफे का ज़हरीला असर

पंकज चतुर्वेदी

डॉक्टर अक्सर मरीजों को मूंग दाल खाने की सलाह देते हैं, लेकिन अधिक मुनाफे के लोभ में अब जो मूंग बाजार में आ रही है वह सामान्य बीमार व्यक्ति को गंभीर रोग का शिकार बना सकती है। चूंकि मध्य प्रदेश में देश में मूंग की फसल का 35 प्रतिशत उत्पादन होता है। शुरुआत में राज्य सरकार ने मूंग की सरकारी खरीदी पर हिचकिचाहट दिखाई थी तो सियासत भी गर्मा गई थी। सरकार भी अपनी जगह ठीक ही थी। यह बात तंत्र समझ गया था कि अधिक फसल और इसे जल्दी पकाने के लिए किसान जिस रसायन का इस्तेमाल कर रहे हैं, असल में वह ज़हर है। यदि मध्य प्रदेश के किसान यह अनुचित तरीका अपना रहे हैं तो देश के अन्य राज्यों में भी यही हो रहा होगा। विदित हो म.प्र. में इस वर्ष मूंग का सरकारी खरीदी मूल्य 8558 रुपये प्रति क्विंटल तय किया गया है। यह दाम बीते चार साल में 1362 रुपये बढ़े हैं। बढ़ते दाम, तीसरी फसल की लालसा और कम रकबे में अधिक उत्पाद के चलते किसान का मूंग की तरफ आकर्षण भी बढ़ा और लालच भी।म.प्र. के कृषि विभाग ने राज्य शासन को बताया कि किसान मूंग की फसल में खरपतवार नाशक दवा पैराक्वाट डाइक्लोराइड, जिसे स्थानीय रूप से 'सफाया' भी कहा जाता है, का बड़े पैमाने पर उपयोग कर रहे हैं। कई देशों में यह प्रतिबंधित है, लेकिन यहां किसान इसका उपयोग धड़ल्ले से कर रहे हैं। किसान जानते हैं कि मूंग की फसल खेतों में एक साथ नहीं पकती। कुछ पौधे जल्दी तो कुछ देर से पकते हैं। ऐसे में मजदूरों से तुड़ाई में समय, खर्च ज्यादा लगता है। फसल को एकसाथ सुखाने के लिए पैराक्वाट तत्काल असर करती है। इससे एक दिन में पूरी फसल सूख जाती है, फिर हार्वेस्टर से कटाई हो जाती है। यही नहीं, इसके इस्तेमाल से कच्ची मूंग के दाने भी चमकीले हरे दिखते हैं। इस तरह इनका वजन अधिक लगता है और इससे दाम अधिक मिल जाते हैं। दरअसल किसान रबी और खरीफ की फसल के बीच तीन महीनों में मूंग की फसल तैयार करने के

लिए यह ज़हरीला जतन कर रहे हैं।

भारत में कोई तीस लाख मीट्रिक टन मूंग का उत्पादन होता है और यह समूचे देश में बीमारों के लिए पथ्य भोजन मानी जाती हैं। मूंग में मौजूद स्टार्च और प्रोटीन छोटे अणुओं में टूटकर जल्दी पच जाते हैं। इसमें कम मात्रा में रेजिन होता है, जो पेट में गैस नहीं बनाता। 100 ग्राम मूंग में लगभग 105 कैलोरी और बहुत कम वसा होता है। आयुर्वेद के अनुसार मूंग दाल त्रिदोष नाशक मानी जाती है– यानी यह वात, पित्त और कफ को संतुलित करती है। बीमारियों में इसका सेवन शरीर को संतुलन में लाता है। मूंग में फ्लावोनॉयड्स, कैंपफेरॉल, विटामिन-सी और फेनोलिक यौगिक होते हैं, जो शरीर की रोग-प्रतिरोध क्षमता को मज़बूत करते हैं।

डॉक्टरों के अनुसार पैराक्वाट डाइक्लोराइड के इस्तेमाल से उगाई गई मूंग के सेवन से कैंसर, लंग्स, किडनी, लिवर फेल्योर, पार्किंसंस रोग का खतरा रहता है। सबसे बड़ा खतरा यह है कि मूंग के दानों में पैराक्वाट के अवशेष रह जाते हैं। जब इन दानों का सेवन किया जाता है, तो ये सीधे मानव शरीर में पहुंचते हैं। इंटरनेशनल जर्नल ऑफ एपिडेमियोलॉजी 2024 में प्रकाशित शोध के अनुसार पैराक्वाट डाइक्लोराइड की रासायनिक संरचना एमपीपी प्लस नामक एक जहरीले पदार्थ से मिलती-जुलती है, जो कि एमपीटीपी नामक रसायन से बनता है। यह वही रसायन है, जिससे 1983 में मनुष्यों में पार्किंसंस जैसा रोग पैदा हुआ था। यह हाइली टॉक्सिक हर्बीसाइड है। थोड़ा-सा भी सेवन या सांस के माध्यम से संपर्क जानलेवा होता है। मुंह और गले में जलन, उलटी-दस्त, पेट में तेज दर्द प्रमुख लक्षण हैं। इससे लंग्स, लिवर, किडनी फेल्योर का खतरा रहता है। सांस के जरिए लेने पर फेफड़ों में फाइब्रोसिस हो सकता है। यह कैंसर कारक होने के साथ ही आंखों और श्वसन तंत्र को प्रभावित करता है। यह केमिकल आर्गेनो फास्फेट फैमिली का है, जिसकी बेहद कम मात्रा किसी रूप में लेने से उलटी-दस्त और पेट में मरोड़ हो सकती है। कुछ ज्यादा होने पर आंतें सिकुड़ जाती हैं। सबसे बड़ी बात इस कीटनाशक का अभी तक कोई एंटी डोज नहीं उपलब्ध है।

मध्य प्रदेश सरकार समय-समय पर कहती रही कि मूंग की फसल को सुखाने के लिए पैराक्वाट का उपयोग करना कानूनन गलत है, इसके बावजूद इस्तेमाल बढ़ता ही जा रहा है। जब 20 लाख टन दाल मंडी में आ ही गई तो चाहे सरकार खरीदे या फिर व्यापारी, झट तो आम लोगों की नसों में घुलना यही है। विदित हो भारत में पैराक्वाट डाइक्लोराइड 24 प्रतिशत एसएल फॉर्मूलेशन पंजीकृत है और इसका उपयोग आलू, कपास, रबर, चाय, मक्का, चावल, अंगूर और जलीय खरपतवारों पर खरपतवार नियंत्रण के लिए अनुमोदित है। हालांकि, इसे मूंग जैसी दालों की फसल को सुखाने के लिए इस्तेमाल करना भारतीय कीटनाशक अधिनियम का उल्लंघन है। जब किसान इसका इस्तेमाल खेत में कर रहा होता है तब उसे रोका या उस पर अपराध पंजीबद्ध किया नहीं जाता। अकेले मध्य प्रदेश ही नहीं, उड़ीसा और पंजाब में भी ज़हरीली मूंग के मामले सामने आए हैं।

संयुक्त राष्ट्र के खाद्य और कृषि संगठन और विश्व स्वास्थ्य संगठन के कीटनाशक प्रबंधन के अंतर्राष्ट्रीय मानकों के अंतर्गत 40 से अधिक देशों ने पैराक्वाट को प्रतिबंधित किया है। इनमें यूरोपियन यूनियन, स्वीडन जैसे विकसित देशों के साथ-साथ चीन, थाईलैंड जैसे हमारे पड़ोसी भी हैं। हालांकि, यह मिट्टी में आंशिक रूप से निष्क्रिय हो जाता है, फिर भी यह लंबे समय तक मिट्टी में बना रह सकता है, जिससे मिट्टी के सजीव जीवाणु, कवक, कृमि, और अन्य सूक्ष्म जीवों पर इसका प्रतिकूल असर होता है। मिट्टी की उर्वरता और जलधारण क्षमता घट जाती है।

ज़हर से लहलहाते खेत बना रहे पैराक्वाट पर सरकार की नीति ही ढुलमुल है तिस पर किसान की लापरवाही भी है। स्वास्थ्य चिंताओं के चलते केरल और ओडिशा जैसे कुछ राज्यों ने इसे प्रतिबंधित कर दिया है। हालांकि, इन प्रतिबंधों का असर सीमित है, क्योंकि इसका अवैध या गलत उपयोग अब भी बड़े पैमाने पर हो रहा है। आज जरूरत है कि इस पर पूर्ण प्रतिबंध हो। मूंग का जहर होना एक प्रकार से दवा का बेअसर होना है।

(साभार : यह लेखक के निजी विचार हैं)

दुरावेश में सौजन्य का नाश हो जाता है।
-प्रेमचन्द

निशाना

चर्चा में कुमार !

ठीक न रहता स्वास्थ्य ।
चर्चा में कुमार ।।
होगा कौन वारिस ?
मामला अधिकार ।।
कहा सुनी पल पल ।
पांव रही पसार ।।
नये कुछ समीकरण के ।
बन रहे आसार ?
राजनीति में अवसर की ।
है हर पल तलाश ।।
कौन कहां पर कैसे ।
बन जाता है खास ।।
देखते हैं किस करवट ।
बैठता है ऊंट ?
लंबा है गठबंधन ।
सम्बंध पर अटूट ?

- कृष्णेन्द्र राय

कलेक्टर व जिला दंडाधिकारी का फैसला

भ्रष्टाचार अधिनियम: दो कर्मचारियों के विरुद्ध अभियोजन की स्वीकृति

तहसील डोलरिया में पदस्थ सहायक ग्रेड-3 नायब नाजिर अमित लौवंशी एवं भृत्य आशीष कहार थे भ्रष्टाचार में लिप्त

नर्मदापुरम, दोपहर मेट्रो

तहसील डोलरिया में पदस्थ सहायक ग्रेड-3 नायब नाजिर अमित लौवंशी एवं भृत्य आशीष कहार के विरुद्ध भ्रष्टाचार निवारण अधिनियम के तहत कलेक्टर एवं जिला दंडाधिकारी तथा सक्षम प्राधिकारी सुश्री सोनिया मीना द्वारा अभियोजन स्वीकृति प्रदान की गई है।

विदित हो कि पूर्व में थाना डोलरिया में धारा 409 भादवि सहपठित धारा 13 (1) ए, 13(2) भ्रष्टाचार अधिनियम के तहत दर्ज प्रकरण जिसमे सहायक ग्रेड-3 नायब नाजिर अमित लौवंशी एवं भृत्य आशीष कहार के विरुद्ध शासकीय कार्य में गंभीर अनियमितताओं के लिए प्रकरण दर्ज किया गया था। उक्तशय में जांच के लिए गठित दल जिसमे जिला कोषालय अधिकारी नर्मदापुरम के नेतृत्व में जांच दल द्वारा जांच की गई एवं जांच में पाया गया कि आरोपीगणों ने शासकीय राशि 2 करोड़ 23 लाख 33 हजार 863 रुपये का कपटपूर्ण आहरण कर शासन को वित्तीय क्षति पहुंचाई।

उक्त जांच के आधार पर धारा 409 भादवि इजाफा धारा 13 (1) ए, 13 (2) भ्रष्टाचार अधिनियम के अंतर्गत अपराध का संज्ञान सक्षम न्यायालय द्वारा लिये जाने हेतु मध्यप्रदेश शासन सामान्य प्रशासन विभाग मंत्रालय, भोपाल के निर्देशानुसार भ्रष्टाचार निवारण अधिनियम 1988 की धारा 19 (1) (ग) के अंतर्गत प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए कलेक्टर एवं जिला दंडाधिकारी सोनिया मीना द्वारा अभियोजन की स्वीकृति प्रदान की गई है।

प्रकृति की अद्भुत छटा के बीच धावकों ने लगाई जमकर दौड़

विभिन्न राज्यों से पहुंचे शामिल होने धावक

जोरदार बारिश के बीच हुई पचमढ़ी मानसून मैराथन

नर्मदापुरम, दोपहर मेट्रो

मध्यप्रदेश के प्रसिद्ध हिल स्टेशन पचमढ़ी में मध्यप्रदेश टूरिज्म बोर्ड एवं जिला प्रशासन के सहयोग से तथा 'एडवेंचर एंड यू' (केए कनेक्ट) के माध्यम से रविवार को पचमढ़ी मानसून मैराथन का भव्य आयोजन किया गया। प्राकृतिक सौंदर्य और रिमझिम फुहारों के बीच आयोजित इस मैराथन में देशभर से लगभग 2000 धावकों के साथ-साथ 7 अंतरराष्ट्रीय धावकों ने भी भाग लिया।

मैराथन में कई धावक नागपुर एवं भोपाल से सायकल चलाकर पचमढ़ी पहुंचे और दौड़ में शामिल हुए। 42 किलोमीटर, 21 किलोमीटर, 10 किलोमीटर एवं 5 किलोमीटर श्रेणियों में आयोजित इस मैराथन में बच्चों, वरिष्ठ नागरिकों एवं दिव्यांगजन ने भी बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया।

मानसून मैराथन का शुभारंभ एमपीटी ग्लेन व्यू होटल से किया गया। 42 किलोमीटर की दौड़ सुबह 4 बजे एवं शेष तीनों श्रेणियों की दौड़ सुबह 6 बजे प्रारंभ हुई। टूरिज्म बोर्ड के ज्वाइंट डायरेक्टर डॉ. संतोष कुमार श्रीवास्तव ने फ्लैग ऑफ कर मैराथन का शुभारंभ किया।

मैराथन का हिस्सा 6 वर्षीय बच्चों से लेकर 70 वर्ष से अधिक आयु के बुजुर्ग धावक भी रहे। साथ ही कारंजा, महाराष्ट्र से दिव्यांग श्रीकांत राउत ने 5 किलोमीटर और मुंबई से निरंजन जादव ने 21 किलोमीटर की मैराथन में हिस्सा लेकर सबको प्रेरित किया। निधि, जो मूकबधिर हैं, ने 21 किलोमीटर की रेस जीतकर सभी को गौरवान्वित किया।

प्रतिभागियों ने बादलों के बीच पचमढ़ी के अनुपम प्राकृतिक दृश्यों और वर्षा की फुहारों का आनंद लेते हुए उत्साहपूर्वक दौड़ पूरी की। दौड़ के समापन पर सभी प्रतिभागियों को मैडल प्रदान किए गए तथा विजयी धावकों को ट्रॉफी देकर सम्मानित किया गया। प्रतिभागियों ने पचमढ़ी की मनोरम छटा के साथ इस आयोजन को अविस्मरणीय अनुभव बताया।

मैराथन दौड़ में ये प्रतिभागी हुए विजयी

मैराथन दौड़ में 42 किलोमीटर में पुरूष वर्ग अंतर्गत जितेंद्र पाटले ने प्रथम स्थान प्राप्त किया। इसी प्रकार 42 किलोमीटर में महिला वर्ग में रितुजा माड़वी प्रथम स्थान पर रही। 42 किलोमीटर में पुरूष वर्ग में द्वतीय स्थान पर अंकित शर्मा, महिला वर्ग में द्वतीय स्थान पर निकिता मंडलोई रही। 21 किलोमीटर में पुरूष वर्ग में प्रथम स्थान पर मोहित कोरे, तथा महिला वर्ग में निकिता साहू ने प्रथम स्थान अर्जित किया। 21 किलोमीटर में पुरूष द्वतीय स्थान पर तेजस बानकर एवं महिला वर्ग में द्वतीय स्थान पर हिना मिस्त्री रही। 10 किलोमीटर मैराथन में पुरूष वर्ग में प्रथम स्थान पर विशाल कौशल एवं महिला वर्ग में रीता तरारे प्रथम स्थान पर रही। 10 किलोमीटर में पु.द्वतीय स्थान पर वैभव दांडेकर तथा महिला द्वतीय स्थान पर मयूरी नागपुरे रही। 5 किलोमीटर में पुरूष वर्ग में प्रथम स्थान पर लक्ष्य पटेल रहे साथ ही महिला वर्ग में प्रथम स्थान पर सान्वी देशमुख रही। 5 किलोमीटर मैराथन में में पुरूष द्वतीय स्थान पर स्वरूप भट्ट एवं महिला में द्वतीय स्थान पर गौरी नागा ने बाजी मारी।

साथ ही 5 वर्ष से 61 वर्ष की अधिक आयु के अलग अलग केटेगरी में हुए प्रथम, द्वतीय ओर तृतीय स्थान पर आए प्रतिभागियों को पुरस्कृत किया गया। पुरुस्कार वितरण टूरिज्म बोर्ड के ज्वाइंट डायरेक्टर डॉ. संतोष कुमार श्रीवास्तव , रिटायर्ड राजेश दत्ता कर्नल, ग्लेन व्यू प्रबंधक आलोक सक्सेना द्वारा किया गया ।

दौड़ के दौरान मध्यप्रदेश पर्यटन से सलाहकार पर्यटन एडवेंचर कैलाश सिंह,परियोजना प्रबंधक अवनीश यादव,ग्लेन व्यू होटल प्रबंधक आलोक सक्सेना, जिला पर्यटन प्रबंधक मनोज सिंह ठाकुर,मैराथन संचालक मितेश रम्भिया एवं पर्यटन से अन्य लोग मौजूद रहे।

सत्कर्मों से जोड़ने वाला सद्गुरु ही ईश्वर से मिला सकता है : जगदगुरु डॉ वेदांती

गंजबासौदा, दोपहर मेट्रो

जीवन में सत्कर्मों से जोड़ने वाला सदगुरु ही हमें ईश्वर से मिला सकता है। हमारे जीवन में जब सत्कर्म जुड़ेंगे तो हमारा चित, चरित्र निर्मल होगा और हम ईश्वर की भक्ति पाने के अधिकारी बन जाएंगे है यह तभी संभव है जब हम सद्गुरु द्वारा बताए गए मार्ग, उपदेशों पर चलकर उनका जीवन में अनुसरण करें। गुरु पूर्णिमा का पावन पर्व हमें भारतीय संस्कृति की उस महान परंपरा की याद दिलाता है, जिसमें गुरु को ईश्वर से भी ऊँचा स्थान दिया गया है। यह बात जीवाजीपुर स्थित बाबा जगनाथदास संस्कृत विद्यालय वेदांत आश्रम में दो दिवसीय गुरु पूर्णिमा महोत्सव के उपलक्ष्य में आयोजित प्रवचन श्रृंखला में जगद्गुरु डॉ राम कमलाचार्य वेदांती जी ने व्यक्त किए।

जगद्गुरु से दीक्षा लेने बरसते पानी में पहुंचे सैकड़ों भक्त

रविवार को वेदांत आश्रम में आयोजित हुए गुरु पूर्णिमा महोत्सव में जगद्गुरु डॉ वेदांती जी द्वारा

सैकड़ों भक्तों को दीक्षा दी गई। बरसते पानी में भी जगदगुरू से दीक्षा लेने के लिए आश्रम में भक्तों का तांता लगा रहा। क्षेत्र के अलावा अन्य शहरों से भी आए भक्त एवं पूर्व से दीक्षित हुए शिष्यों ने डॉ वेदांती जी का गुरु पूजन कर उनसे आशीर्वाद लिया। दीक्षा ले रहे नए शिष्यों को डॉ वेदांती जी ने गुरु मंत्र देकर प्रतिदिन माला करने के साथ गुरु निष्ठा रखते हुए सत्कर्मों पर चलकर जीवन जीने की प्रेरणा दी। आश्रम के महंत हरिहरदास जी महाराज ने बताया कि सोमवार को भी जगद्गुरु डॉ वेदांती जी द्वारा दीक्षा दी जाएगी और दोपहर 2 बजे से उनके प्रवचन होंगे।

वेदांत आश्रम के संस्थापक और नगर के संत रामानंदाचार्य जगद्गुरु डॉ वेदांती जी जगतगुरु बनने के उपरांत नगर में उनका प्रथम आगमन हुआ है। क्षेत्र वासियों द्वारा मानस भवन में उनका अभिनंदन समारोह आयोजित किया गया। उन्होंने कहा कि गुरु पूर्णिमा का दिन हमें यह भी सिखाता है कि गुरु का अर्थ केवल वह व्यक्ति नहीं, जो हमें स्कूल या कॉलेज में पढ़ाता है। गुरु कोई भी हो सकता है हमारे माता-पिता, जो हमें जीवन का पहला पाठ पढ़ाते हैं; हमारे मित्र, जो हमें सही राह दिखाते हैं; या वह प्रकृति, जो हमें हर पल कुछ नया सिखाती है। गुरु वह है, जो हमें प्रेरणा देता है, जो हमें अपने अंदर की कमियों को सुधारने के लिए प्रोत्साहित करता है और जो हमें हमेशा सत्य और धर्म के मार्ग पर चलने की प्रेरणा देता है। इस अवसर पर हमें अपने गुरुओं के प्रति अपनी कृतज्ञता व्यक्त करने का संकल्प लेना चाहिए। हमें उनके द्वारा दिए गए ज्ञान और मार्गदर्शन को अपने जीवन में उतारना चाहिए। उनके उपदेशों को केवल सुनना ही काफी नहीं, बल्कि उन्हें अपने जीवन में लागू करना भी उतना ही महत्वपूर्ण है। यह दिन हमें यह भी याद दिलाता है कि हमें न केवल अपने गुरुओं का सम्मान करना चाहिए, बल्कि उनके दिखाए हुए मार्ग पर चलकर समाज और देश के लिए कुछ अच्छा करना चाहिए। संस्कृत में 'गुरु' का अर्थ होता है अंधकार को दूर करने वाला। गुरु केवल एक शिक्षक नहीं होता, बल्कि हमारे जीवन का मार्गदर्शक भी होता है। ज्ञान और बुद्धि देने से लेकर अपने शिष्यों में अच्छे संस्कार और मूल्य स्थापित करने तक, गुरु हमारे विकास में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं।

नर्मदापुरम जिले में 1 जून से आज तक 560.4 मिमी औसत वर्षा दर्ज

नर्मदापुरम। जिले में 1 जून 2025 से दिनांक 13 जुलाई को प्रातः 8 बजे तक जिले में 560.4 मिलीमीटर औसत वर्षा दर्ज हुई है। गत वर्ष इसी अवधि में 197.8 मिमी औसत वर्षा हुई थी। अधीक्षक भू-अभिलेख नर्मदापुरम ने बताया है कि 13 जुलाई 2025 को प्रात:-8 बजे तक तहसील नर्मदापुरम में 577.2 मिलीमीटर, सिवनीमालवा में 472.5 मिमी , इटारसी में 471.8 मिमी , माखननगर में 392.0 मिमी , सोहागपुर में 632.0 मिमी , पिपरिया में 616.2 मिमी , बनखेड़ी में 801.0 मिमी , पचमढ़ी में 665.8 एवं तहसील डोलरिया में 415.2 मिमी वर्षा दर्ज हुई है। जिले की सामान्य औसत वर्षा 1370.5 मिमी है। अधीक्षक भू-अभिलेख नर्मदापुरम ने बताया है वर्तमान में सेठानी घाट का जलस्तर 947.20 फीट है, तवा जलाशय का 1153.30 फीट है, बरगी जलाशय का 416.60 मी. एवं बारना जलाशय 345.44 मी. दर्ज किया गया है। उल्लेखनीय है सेठानी घाट का अधिकतम जल भराव 967 फीट है, तवा जलाशय का अधिकतम जल भराव 1166 फीट है, बरगी जलाशय का जल भराव 422.76 मी. है तथा बारना जलाशय का अधिकतम जल भराव 348.55 मी. है।

अवैध क्लीनिक सील करने की कार्यवाही जारी

कलेक्टर के निर्देशों के अनुपालन में उदयपुर में क्लीनिक सील की गई

गंजबासौदा, दोपहर मेट्रो

जिला कलेक्टर श्री अंशुल गुप्ता द्वारा दिए गए निर्देशों के अनुपालन में स्वास्थ्य विभाग द्वारा जिले में अवैध क्लीनिक संचालन करने वालो की जांच पड़ताल सतत जारी है।

निर्धारित मापदण्डो के अनुरूप क्लीनिक संचालन नहीं पाए जाने पर उसे मौके पर चिकित्सीय टीम के द्वारा सील्ड करने की कार्यवाही की जा रही है। बासौदा के ब्लॉक मेडिकल आफीसर डा प्रमेन्द्र तिवारी ने बताया कि बासौदा विकासखण्ड क्षेत्र में अवैध क्लीनिक की सूचनाएं प्राप्त होने पर अविलम्ब जांच पड़ताल की जा रही है। उन्होंने बताया कि रविवार को उदयपुर में पेट्रोल पंप के समीप भानू प्रताप के द्वारा संचालित एक अवैध क्लिनिक को सील्ड किया गया है।

अवैध क्लीनिक सील कार्यवाही के दौरान बीएमओ डॉ प्रमेन्द्र तिवारी तहसीलदार श्री अनुराग रावत, मेडिकल आफीसर मनीष राव, फार्मेसिस्ट श्री प्रेम शाक्य और पटवारी मौके पर मौजूद रहें।

विहिप बासौदा गमाकर प्रखंड की संयुक्त बैठक आयोजित

गंजबासौदा, दोपहर मेट्रो

रविवार को बालाजी नगर स्थित विश्व हिन्दू परिषद जिला कार्यालय अशोक भवन में संगठन की गंजबासौदा और गमाकर प्रखंड की संयुक्त बैठक आयोजित हुई। बैठक को जिलाध्यक्ष संदीप नेमा ने संबोधित करते हुए कहा कि अभी विश्व हिन्दू परिषद का समिति संपर्क अभियान चल रहा है इसके निमित्त सभी पदाधिकारियों को एक खंड केंद्र पर जाकर समिति से संपर्क कर पुनर्गठन करना है एवं गठित समिति को प्रखंड केंद्र पर बुलाकर समिति सम्मेलन करना है।

समरसता प्रांत टोली सदस्य डॉ चंद्रशेखर शर्मा ने आगामी बूढ़ा अमरनाथ यात्रा एवं अखंड भारत संकल्प दिवस की जानकारी दी। बैठक को विभाग सत्संग प्रमुख सुरेन्द्र ठाकुर, जिला सेवा प्रमुख रणधीर सिंह रघुवंशी ने भी संबोधित किया। इस अवसर कई कार्यकर्ता मौजूद थे।

मुख्यमंत्री जनकल्याण योजना से मिली सहायता

वित्तीय संकट से जूझ रही महिला को 2 लाख रुपये का 'संबल'

नर्मदापुरम। मुख्यमंत्री जनकल्याण (संबल) योजना राज्य शासन की महत्वपूर्ण सामाजिक सुरक्षा योजना है, जिसके माध्यम से असंगठित क्षेत्र के श्रमिकों को पंजीयन उपरांत मृत्यु, दुर्घटना अथवा गंभीर बीमारी जैसी आपात स्थिति में आर्थिक सहायता दी जाती है। इस योजना का उद्देश्य जरूरतमंद परिवारों को आर्थिक संकट से उबारकर उन्हें पुनः आत्मनिर्भर बनाने में मदद करना है। मुख्यमंत्री जनकल्याण (संबल) योजना आर्थिक रूप से कमजोर एवं असंगठित क्षेत्र के श्रमिक परिवारों के लिए संकट की घड़ी में एक मजबूत सहारा बन रही है। इसी क्रम में नर्मदापुरम निवासी श्रीमती सुनीला मनवारे को उनके पति की असामयिक मृत्यु के उपरांत संबल योजना के माध्यम से 2 लाख रुपये की आर्थिक सहायता प्रदान की गई है। श्रीमती मनवारे ने बताया कि पति की मृत्यु के पश्चात उन पर घर की जिम्मेदारियों का बोझ अचानक आ पड़ा था। परिवार के भरण-पोषण में आर्थिक तंगी आड़े आ रही थी। ऐसे में संबल योजना के तहत मिली सहायता राशि ने उनके परिवार को एक नई संबलता दी है। उन्होंने इस सहयोग के लिए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव एवं जिला प्रशासन का आभार व्यक्त किया है।

रेशम कीट पालन

एक एकड़ से अर्जित किए 2.41 लाख रुपए, आर्थिक सुदृढ़ीकरण का सफर

नर्मदापुरम, दोपहर मेट्रो

ग्राम पलिया पिपरिया की ज्योतिबाई ने स्वावलंबन योजना के अंतर्गत एक एकड़ क्षेत्र में मलबरी पौधारोपण कर रेशम कीट पालन से अपनी आर्थिक स्थिति को सुदृढ़ किया है। वे शासकीय रेशम केन्द्र पलिया पिपरिया में कार्यरत हैं और आदिवासी वर्ग से आती हैं।जानकारी के अनुसार ज्योतिबाई ने वर्ष 2010-11 में रेशम कीट पालन का कार्य शुरू किया था। पिछले 12 वर्षों से वे नियमित रूप से रेशम कीट पालन कर परिवार की आजीविका में सहायक बनी हुई हैं। रेशम विभाग की ओर से उन्नत तकनीक, तकनीकी मार्गदर्शन एवं उच्च गुणवत्ता के रेशम बीज समय-समय पर प्रदान किए जाते हैं,

जिससे उनके उत्पादन की गुणवत्ता और आय में निरंतर वृद्धि हो रही है।

वर्ष 2024-25 में ज्योतिबाई ने एक एकड़ क्षेत्र से ककून उत्पादन कर कुल 2,41,378 रुपये की आय अर्जित की। उनका कहना है कि ग्राम में ही रेशम की खेती कर वे परिवार को मजबूत आर्थिक सहारा दे रही हैं। वर्ष 2022-23 से ककून मार्केट के माध्यम से ककून विक्रय कर बेहतर दर प्राप्त करने से उनकी आय में और भी इजाफा हुआ है।

रेशम विभाग के अधिकारियों ने बताया कि इस तरह की सफल कहानियां अन्य ग्रामीण महिलाओं को भी रेशम कीट पालन की ओर प्रेरित कर रही हैं।

स्वच्छता सर्वेक्षण 2024 के विजेता शहरों में सीहोर जिले के बुधनी-शाहगंज शामिल

सीहोर , दोपहर मेट्रो

केंद्र सरकार द्वारा स्वच्छता सर्वेक्षण 2024 के लिए विजेता शहरों की घोषणा की जा चुकी है। इन शहरों में सीहोर जिले के बुधनी एवं शाहगंज भी शामिल हैं। मध्यप्रदेश के आठ शहर इंदौर, भोपाल, जबलपुर, ग्वालियर, उज्जैन, देवास, बुधनी और शाहगंज को राष्ट्रीय सम्मान के लिए नामांकित किया गया है। कलेक्टर श्री बालागुरू के. ने बुधनी तथा शाहगंज नगर परिषद की टीम तथा नागरिकों को स्वच्छता सर्वेक्षण 2024 में उत्कृष्ट प्रदर्शन के लिए बधाई दी है।

17 जुलाई को राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू द्वारा किया जाएगा सम्मानित

सीहोर जिले की निकायों में सुपर स्वच्छ लीग सिटी में बुधनी को नामांकित किया गया है। उल्लेखनीय है कि सुपर स्वच्छ लीग सिटी एक नयी श्रेणी है जिसमे गत 03 वर्षों से जो

कंसिस्टेंट परफॉर्मर हैं उन्हें प्रेसिडेंट अवार्ड दिया जायेगा तथा राष्ट्रपति के साथ एक ग्रुप फोटो सेशन आयोजित किया जायेगा। इसमें सुपर स्वच्छ लीग सिटी के सभी शहरों के पदाधिकारी शामिल होंगे। सुपर स्वच्छ लीग सिटी श्रेणी में मध्यप्रदेश के इंदौर एवं उज्जैन को भी नामांकित किया गया है। सीहोर जिले की शाहगंज नगर परिषद को प्रेजिडेंटल अवार्ड दिया जायेगा। शाहगंज के साथ ही प्रेजिडेंटल अवार्ड की श्रेणी में मध्यप्रदेश के भोपाल और देवास को भी नामांकित किया गया है

स्वच्छता सर्वेक्षण 2024 का परिणाम 17 जुलाई को नई दिल्ली स्थित विज्ञान भवन में राष्ट्रपति श्रीमती द्रौपदी मुर्मू की उपस्थिति में आयोजित कार्यक्रम में घोषित किया जाएगा। इस कार्यक्रम में स्वच्छता सर्वेक्षण 2024 के दौरान स्वच्छ शहरों की रैंकिंग एवं गार्बेज फ्री सिटी (स्टार रैंकिंग) की घोषणा की जाएगी। इस कार्यक्रम में सहभागिता के लिए विजेता नगरीय निकायों से 10 सदस्यीय प्रतिनिधिमंडल दिल्ली जायेगा।

नदी में बहे परिवार के तीन सदस्य, रातभर चला रेस्क्यू

सीहोर, दोपहर मेट्रो

रेहटी तहसील के ग्राम मालीबायां निवासी एक परिवार के 04 सदस्य ग्राम सुरई के पास झोलियापुर में सोलवी नदी में पानी के तेज बहाव में बह गए है। एक पुत्र को तुरंत निकाल लिया गया है। माता-पिता और एक पुत्र को खोजने में प्रशासन की रेस्क्यू टीम लगी हुई है। कलेक्टर श्बालागुरू के. रेस्क्यू ऑपरेशन की पल-पल की जानकारी लेते रहे।

उल्लेखनीय है कि यह परिवार पिकनिक मनानें के लिए झोलियापुर पहुंचा था। बुधनी एसडीएम श्री डीएस तोमर तथा एसडीओपी पुलिस मौके पर मौजूद है। रेस्क्यू टीम मोटरबोर्ड एवं लाइट की व्यवस्था के साथ परिवार के तीन सदस्यों को खोजने में जुटी हुई है। इसके साथ ही आसपास के गांवों में मुनादी करा दी गई है कि यदि इस संबंध कोई भी सूचना या जनकारी मिले तो रेस्क्यू टीम, प्रशासन या संबंधित थानों में तुरंत सूचना दें।

तेज बहाव में बहने वालों में 40 वर्षीय अताउर रहमान, 35 वर्षीय श्रीमती रेहत और उनका ढ़ाई वर्षीय पुत्र ओरान शामिल है, जिन्हें खोजने की कार्रवाई रेस्क्यू टीम द्वारा की जा रही है।

वाटरफॉल के रास्ते पर चौकसी, पर्यटकों को समझाइश

सीहोर। कलेक्टर बाला गुरु के. के निर्देशानुसार बारिश के दौरान जिले के झरनों पर संभावित दुर्घटनाओं की रोकथाम के लिए इन झरनों पर पर्यटकों को जाने से रोका जा रहा है। इसके लिए जिले के अमरगढ़ वाटरफॉल एवं अन्य वॉटरफाल जाने वाले रास्तों पर स्थानीय कर्मचारियों की ड्यूटी लगाई गई है। ये कर्मचारी वॉटरफॉल जाने वाले रास्तों पर पूरी मुस्तैदी से ड्यूटी कर रहे हैं और नागरिकों एवं पर्यटकों को वॉटरफॉल पर जाने से रोक रहे हैं ताकि संभावित दुर्घटनाओं को रोका जा सके। उल्लेखनीय है कि कलेक्टर एवं जिला दंडाधिकारी श्री बालागुरु के. ने वॉटरफॉल पर होने वाली संभावित दुर्घटनाओं को रोकने के लिए जिले के अमरगढ़ वॉटरफॉल, दिगंबर वॉटरफॉल तथा कालियादेव वॉटरफॉल पर 15 जून से 15 अक्टूबर 2025 तक पर्यटकों तथा आम नागरिकों का प्रवेश प्रतिबंधित किया है।

बगैर डिग्री के डॉक्टर ग्रामीण क्षेत्रों में बढ़ा रहे परेशानी

गांव में झोलाछाप डॉक्टरों की बाढ़ खुलेआम चल रहे अवैध क्लीनिक

विशाल रजक तेन्दूखेड़ा, दोपहर मेट्रो

तेंदूखेड़ा विकासखंड के अंतर्गत आने वाले दर्जनों गांव में झोलाछाप डॉक्टरों द्वारा किराए की दुकानें और बड़े-बड़े घरों में क्लीनिक मिल जाएंगे जो बड़े आश्चर्य चकित करने वाली बात है कि इन किराए की दुकानों और घरों में इन झोलाछाप डॉक्टरों द्वारा गंभीर से गंभीर इलाज करने का दावा कर शासन और प्रशासन को मुंह चिढ़ाते हुए नजर आ रहे हैं स्वास्थ्य विभाग की लापरवाही के कारण और यहां पर यह कहना अतिशयोक्ति नहीं होगी क्योंकि बरसों से स्वास्थ्य विभाग के उच्च अधिकारियों के संरक्षण में इनका धंधा इतना फल फूल रहा है कि यह आम लोगों के जीवन के साथ आज सारे आम खिलवाड़ कर रहे हैं जिसे ना कोई देखने वाला है, ना कोई टोकने वाला है, और ना ही कोई रोकने वाला सालभर पहले दमोह कलेक्टर के निर्देश पर जिलेभर में झोलाछाप डॉक्टरों पर कार्रवाई की गई थी लेकिन इन झोलाछाप डॉक्टरों के क्लिनिको पर जैसे ही कार्रवाई की सूचना मिलते ही सब भूमिगत हो गए और अपनी अपनी दुकानदारी बंद करके भूमिगत हो गए थे कुछ दिनों तक अपनी दुकानदारी बंद रही और फिर अब जमकर फल फूल रही है तेन्दूखेड़ा ब्लॉक के ग्रामीण क्षेत्रों में जमकर यह झोलाछाप डॉक्टर लोगों की जान के साथ खिलवाड़ करते हुए नजर आ रहे हैं। नगर में लगभग पांच दर्जन झोलाछापों की दुकानदारी चल रही है वहीं ब्लॉक के सभी ग्रामीण क्षेत्रों में भी यह झोलाछाप डॉक्टर लोगों का इलाज करते हुए नजर आ रहे हैं

हर गांव में आधा दर्जन झोलाछाप डॉक्टर मिलेगा यह गोरख धंधा स्वास्थ्य विभाग के अधिकारियों की मिली भगत से चल रहा है यह भी एक जांच का विषय है आखिर इन पर कार्रवाई क्यों नहीं की जाती हैं वहीं कुछ झोलाछाप डॉक्टरों द्वारा अपनी पहुंच बड़े राजनेताओं से होना बता कर बिंदास अपनी झोलाछाप डॉक्टरी कर रहे हैं क्षेत्र में झोलाछाप डॉक्टरों द्वारा बिना पंजीयन के एलोपैथिक चिकित्सा व्यवसाय ही नहीं किया जा रहा है बल्कि बिना ड्रग लाइसेंस के दवाओं का भंडारण व विक्रय भी अवैध रूप से किया जा रहा है दुकानों के भीतर कार्टून में बड़ी संख्या में दवाओं का अवैध तरीके से भंडारण रहता है

वहीं इन झोलाछाप डॉक्टरों की बात की जाएं तो उन्होंने अपना अपना एरिया बना रखा है यह खुलेआम बिना जांच लोगों को किसी भी दर्द और बीमार की दवाइयां दे रहे और इंजेक्शन लग रहे हैं और उपचार कर रहे हैं सबसे ज्यादा इनकी फौज झलौन सर्रा धनेटा विसनाखेडी ससनाकला मगदुपूरा बैरागढ़ पुरा सेहरी सहित इन ग्रामों से लगे हुए गांवों में फैला हुआ है अगर बात की जाएं इस क्षेत्र में सबसे ज्यादा बंगाली डॉक्टरों का राज चल रहा है।

सरकार के आदेशों की सरेआम उड़ा रहे धज्जियां

सालभर पहले ही संचालनालय लोक स्वास्थ्य एवं चिकित्सा शिक्षा विभाग द्वारा मध्य प्रदेश से समस्त कलेक्टर एवं समस्त मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी के नाम जारी परिपत्र क्रमांक 248 दिनांक 15 जुलाई 2024 में लिखा है कि, मध्यप्रदेश में कई अपात्र व्यक्तियों द्वारा फर्जी मेडिकल डिग्री अथवा सर्टिफिकेट का प्रयोग करके अमानक चिकित्सा पद्धतियों के उपयोग से मरीज का इलाज किया जा रहा है। बहुत सारे ऐसे व्यक्ति एलोपैथिक पद्धति से मरीजों का इलाज कर रहे हैं जिन्होंने मेडिकल की कोई डिग्री, डिप्लोमा अथवा सर्टिफिकेट प्राप्त नहीं किया है और जो विधि के अनुसार एलोपैथिक पद्धति से इलाज करने के लिए अधिकृत नहीं है उन पर कार्रवाई की जाए लेकिन ऐसा कहीं भी नहीं हुआ और झोलाछाप डॉक्टर बेधड़क होकर अपनी दुकानों को चला रहे हैं

अपने नाम के साथ डॉक्टर शब्द कौन लिख सकता है

निर्देशित किया जाता है कि ऐसे व्यक्तियों के खिलाफ प्रतिबंधात्मक कार्रवाई की जाए। यह भी उल्लेखनीय है कि चिकित्सा शिक्षा संस्था (नियंत्रण) अधिनियम, 1973 यथा संशोधित अधिनियम, 1975 एवं संशोधन अधिनियम, 2006 की धारा 7-ग अनुसार डॉक्टर अभिधान का उस व्यक्ति के नाम के साथ उपयोग किया जा सकेगा, जो कोई मान्यता प्राप्त चिकित्सकीय अर्हता धारित करता हो और जो तत्समयप्रवृत्त हो

जल्द होगी कार्रवाई

इस संबंध में एसडीएम सौरभ गंधर्व से बात की गई तो उन्होंने कहा जल्द ही इन फर्जी डाक्टरों पर कार्रवाई की जाएगी मैं सीबीएमओ को पत्र लिखकर कार्रवाई के लिए बोलता हूं साथ ही तहसीलदार व थाना प्रभारी से भी कार्रवाई कहता हूं।

झोलाछाप डॉक्टरों के खिलाफ अभियान के आदेश

बगैर डिग्री के इलाज करना गैर कानूनी और दण्डनीय है जिसके प्रावधान धारा 8 में वर्णित हैं। निजी चिकित्सकीय स्थापनाओं के पंजीयन एवं अनुज्ञापनकर्ता अधिकारी जिले के मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी हैं। अतएव गैर मान्यता प्राप्त संस्थाओं, अपात्र व्यक्तियों द्वारा संचालित चिकित्सकीय स्थापनाओं का संचालन पाए जाने पर मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी द्वारा उचित विधिक कार्यवाही हेतु संबंधित जिला अभियोजन अधिकारी को प्रकरण के समस्त तथ्य तत्काल उपलब्ध कराए जाए ताकि उचित वैधानिक कार्यवाही सुनिश्चित हो सके। विधि द्वारा स्थापित किसी बोर्ड या परिषद् या किसी अन्य संस्था में चिकित्सा व्यवसायी के रूप में रजिस्ट्रीकृत है तथा अन्य कोई व्यक्ति स्वयं को चिकित्सा व्यवसायी के रूप में अभिव्यक्त करने के लिए डॉक्टर अभिधान का उपयोग नहीं करेगा। उपरोक्त वर्णित अधिनियम की धारा 7-ग के उल्लंघन में कारावास की काला वधि 3 वर्ष तक व जुर्माना पचास हजार रुपये तक का प्रावधान है। उल्लेखनीय है कि धारा 7-ग का संबंध गैर मान्यता प्राप्त चिकित्सकों से है। अब देखना यह है कि मध्य प्रदेश सरकार द्वारा दिए गए आदेश को स्वास्थ्य विभाग कितने कसौटी पर खरा उतरता है।

कुभकर्णीय नींद में सो रहा प्रशासन

झोलाछाप डॉक्टरों के धंधे की जानकारी प्रशासन को भी है और समय समय पर एक दो क्लीनिक और दुकानों पर झापा मार कर खानापूर्ति कर ली जाती है काफी झोलाछाप तो ऐसे हैं जिन्होंने खुद को बंगाली डाक्टर वैद्य हकीम व अन्य डिग्री धारक घोषित कर रखा है स्वास्थ्य विभाग कभी इनकी डिग्रियों की जांच नहीं करता, कई के पास दूर-दूर के राज्यों से जारी फर्जी डिग्रियां हैं, कई बार तो बंगाली चिकित्सा पद्धति के नाम पर उक्त झोलाछाप लोगों की जान से खिलवाड़ करने तक से नहीं चूकते, मजे की बात तो यह है कि दिखावे की होने वाली कार्यवाही के कुछ दिनों बाद कैसे उक्त संस्थान दोबारा खुल जाते हैं।

जांच की हो रही मांग

झोलाछाप डॉक्टरों की लगातार बढ़ती संख्या के लिए सरकारी स्तर पर स्वास्थ्य सुविधाओं की कमी है, वहीं विभाग द्वारा झोलाछाप पर कार्रवाई न होना भी बढ़ा कारण है। कैसे करते हैं इलाज झोलाछाप डॉक्टर पहले उल्टा सीधा इलाज करते हैं, इसके बाद जब स्थिति काबू से बाहर हो जाती है तो किसी बड़े डॉक्टर को दिखाने के नाम पर अपनी पीछा छुड़ा लेते हैं

इस संबंध में जब सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र के सीबीएमओ से बात करने का प्रयास किया तो उनका फोन आउट कवरेज क्षेत्र बताता रहा जिसके कारण बात नहीं हो सकी।

सावन का पहला सोमवार आज: 11वीं शताब्दी का कोड़ल शिव मंदिर ऐतिहासिक महत्व के साथ भक्तों की आस्था का केंद्र भी

अद्भुत है कोड़ल का शिव मंदिर क्षेत्र में रखता है अपनी विशेष पहचान पूजन अर्चन के लिए पहुंचते हैं शिवभक्त

तेन्दूखेड़ा, दोपहर मेट्रो

आज से सावन माह की शुरुआत हो चुकी है और आज सावन का पहला सोमवार है और देशभर के शिव मंदिरों में आस्था का सैलाब उमड़ता दिखाई देगा। ऐसे में भक्तों के लिए जिले के तेन्दूखेड़ा ब्लॉक के पास मौजूद एक प्राचीन व ऐतिहासिक शिव मंदिर अपनी प्रचीनता व निर्माण की कहानी के लिए जाना जाता है। बताया जाता है कि इस मंदिर का निर्माण एक रात में हुआ है और एक छोटे से ग्राम में होने के बाद भी दूर दूर से भक्त यहां भोलेनाथ के दर्शन व पूजन अर्चन के लिए आते है। जिले में कल्चुरी शासकों का इतिहास भी समृद्ध है जिसकी निशानियां अब तक मौजूद हैं ये ना सिर्फ मंदिरों के रूप में बल्कि विशेष स्थापत्य कला के लिए भी जानी जाती है ऐसा ही एक स्थान है कोड़ल के शिवमंदिर जहां भक्तों का मेला लगा रहता है। माना जाता है कि यह शिव मंदिर काफी प्राचीन है

जिसके चलते यहां महाशिवरात्रि पर भारी संख्या में भक्तों की भीड़ उमड़ती है। यहां भक्तों को पहुंचने के लिए तेंदूखेड़ा से तारादेही सड़क मार्ग पर ग्राम पंचायत दरौली से लगभग 2 किमी दूरी पर स्थित ग्राम पंचायत कोड़ल स्थित है, जहां कल्चुरी कालीन समय में बनवाया गया प्राचीन शिवमंदिर सांस्कृतिक एवं पुरातत्व की धरोहर है इस मंदिर के चारों ओर अद्भुत कलाकृतियों की नक्काशी पत्थरों पर की गई है। जानकार बताते है कि खजुराहो की तरह कलाकृक्तियों का यह मंदिर 950 ईस्वी में कल्चुरी शासकों द्वारा बनवाया गया था जिसकी देखरेख वर्तमान में पुरातत्व विभाग सागर के जिम्मे है और मंदिर की पूर्ण सुरक्षा के लिए एक स्मारक परिचर एवं दो दैनिक कर्मचारी भी नियुक्त है।

यह है यहां का इतिहास

यह शिव मंदिर कल्चुरी शासको द्वारा बनवाया गया है मंदिर के अंदर भगवान शिव की बड़ी पिंडी विराजमान है मंदिर के चारों और सुंदर कलाकृ?तियां पत्थरों पर की गई है। सामान्यतः किसी भी मंदिर का मुख्य प्रवेश द्वार पूर्व दिशा की ओर होता है लेकिन यह शिवमंदिर का मुख्य प्रवेश द्वार पर्थिम दिशा की ओर है जो इसे दूसरे मंदिरों से अलग बनाता है। इसके अलावा पूरा मंदिर पत्थरों का बना हुआ है और मंदिर की बाहरी दीवार पर नवग्रह माता पार्वती और भगवान शिव की प्रतिमा बनी हुई है। यहां की खासियतों में बताया जाता है कि शिवलिंग के पास से एक गुफा निकली है जो तारादेही के समीप गोहदर के पास निकलती है सन् 1884 तक इस जगह के

आसपास मेला भी भरता था जिसमें काफी भीड़ रहती थी लेकिन बाद यह व्यवस्था बंद हो गई बाद में सन 1925 से शासन ने इसको अपने अधिपत्य में लिया था। मंदिर के बाहर सुंदर कलाकृतियां पत्थरों पर बनी हुई है यहां पर श्रावण मास में भगवान के दर्शनों के लिए अपार जनसमूह एकत्रित होता है। मंदिर परिसर के अंदर एक बड़ा मढ़ा भी बना हुआ है पूर्व में इस मढ़ा का कुछ हिस्सा छतिग्रस्त हो गया था जिसका शासन द्वारा जीणोद्धार कराया गया है। ग्राम के वृद्धजन बताते है। कि इस मढ़ा में ब्राह्मणों द्वारा शिक्षा दी जाती थी। मंदिर के आसपास भी पुरातात्विक धरोहरें है यदि आसपास खुदाई की जाए तो बहुत प्राचीन धरोहरें मिलने की संभावना बनी हुई है।

महोत्सव भी हुआ आयोजित

कोड़ल के शिव मंदिर में पूर्व मंत्री स्व. रत्नेश सॉलोमन द्वारा एक बार एक दिवसीय कोडल महोत्सव आयोजित कराया गया था जिसमें प्रदेश के कलाकारों द्वारा मनमोहक प्रस्तुतियां अपार जनसमूह के समझ दी गई थी इसके बाद कभी भी इस प्रकार का महोत्सव नहीं कराया गया है। वहीं ग्राम के वृद्ध कुंजीलाल चौकसे बताते है कि भगवान शिव की प्रतिमा कहा से आई इसके बारे में उनके पूर्वजों तक को कोई जानकारी नहीं है लेकिन पूर्व में इस मंदिर को कोहलेश्वर महादेव मंदिर के नाम से भी जाना जाता है। कोडल के इस शिव मंदिर में सावन के महीने के साथ महाशिवरात्रि बसंत पंचमी मकर संक्रांति का पर्व धूमधाम से मनाया जाता है।

श्रमिकों को सेहतमंद रखने की पहल मंडीदीप में जागरूकता कार्यक्रम

रायसेन। श्रम तथा पंचायत एवं ग्रामीण विकास मंत्री प्रह्लाद सिंह पटेल के निर्देशानुसार श्रम विभाग श्रमिकों की भलाई और उत्पादकता बढ़ाने के उद्देश्य से श्री (Shramik Health, Rejuvenation, Education and Enterprise) नाम से नई पहल की शुरुआत की गई है। इस पहल के अंतर्गत श्रमिकों के स्वास्थ्य, जागरूकता और जीवनशैली सुधार के लिए कई महत्वपूर्ण कदम प्रस्तावित किए गए हैं। श्री के तहत मुख्य रूप से नशा न करने की पहल, दैनिक व्यायाम का महत्व और मधुमेह जैसी बीमारियों से बचाव के लिए आहार नियंत्रण जैसे विषयों पर जागरूकता फैलाई जाएगी। इसके लिए कर्मचारी राज्य बीमा (ईएसआई) तंत्र के साथ संबल योजना, श्रम कल्याण योजनाएं एवं निर्माण श्रमिक कल्याण बोर्ड डेटाबेस का प्रभावी उपयोग किया जाएगा। इन विभिन्न प्लेटफ़ॉर्म्स के माध्यम से राज्य में बड़ी संख्या में श्रमिकों तक स्वास्थ्य संबंधी जानकारी पहुंचाई जाएगी। श्री पहल के अंतर्गत अब प्रत्येक मंगलवार को कर्मचारी राज्य बीमा सेवाएं के सभी औषधालयों और चिकित्सालयों में श्रमिकों के लिए स्वास्थ्य जागरूकता कार्यक्रम नियमित रूप से आयोजित किए जाएंगे। इस पहल के अंतर्गत कर्मचारी राज्य बीमा निगम द्वारा श्रमिकों को निवारक स्वास्थ्य संदेशों से अवगत भी कराया जा रहा है। इस पहल के तहत प्रदेश के कर्मचारी राज्य बीमा सेवाएं के 42 औषधालयों और 5 चिकित्सालयों में एक साथ स्वास्थ्य विषयों पर जागरूकता कार्यक्रम प्रारंभ किया गया। भोपाल के सोनागिरी औषधालय, देवास अस्पताल, पीथमपुर औषधालय, मंडीदीप और अमलाई औषधालय में उच्च रक्तचाप और जीवनशैली में बदलाव पर चर्चा की गई। भोपाल केंद्र पर मुँह के कैंसर, मंदसौर और बुरहानपुर में मधुमेह, बिरलाग्राम नागदा में मधुमेह की बीमारी पर जानकारी दी गई। पीथमपुर में मोटापे के लक्षण, दुष्परिणाम और रोकथाम पर चर्चा हुई, वहीं रतलाम में मोटापा नियंत्रण और इंदौर के क्षय चिकित्सालय में उच्च रक्तचाप एवं मधुमेह जैसी गैर-संक्रामक बीमारियों पर जानकारी दी गई। प्रदेश की सभी ईएसआई इकाइयों में एक साथ आयोजित इस परिचर्चा से 1200 से अधिक श्रमिक लाभान्वित हुए। इसके अतिरिक्त, सीहोर जिला के महिला पॉलीटेक्निक कॉलेज में आयोजित रोजगार मेले में भी युवाओं को हाइपरटेंशन, डायबिटीज, दिनचर्या बदलाव और नियमित व्यायाम के महत्व पर जागरूक किया गया।

गिल ने द्रविड़-कोहली को छोड़ा पीछे,

इंग्लैंड में टेस्ट सीरीज में सबसे ज्यादा रन बनाने वाले पहले भारतीय बने

नई दिल्ली,, एजेंसी

भारत और इंग्लैंड के बीच चल रही मौजूदा टेस्ट सीरीज में शुभमन गिल ने एक बड़ा कारनामा कर दिखाया है। गिल अब इंग्लैंड में टेस्ट सीरीज में सबसे ज्यादा रन बनाने वाले भारतीय बल्लेबाज़ बन गए हैं। उन्होंने यह रिकॉर्ड भारत के पूर्व कप्तान राहुल द्रविड़ और विराट कोहली जैसे दिग्गजों को पीछे छोड़ते हुए बनाया।

603* रन बनाकर गिल शीर्ष पर

2025 की इस ऐतिहासिक सीरीज में गिल ने अब तक 603 रन (नाबाद) बना लिए हैं, और सीरीज अभी खत्म नहीं हुई है। उन्होंने लगातार शानदार बल्लेबाज़ी करते हुए कई अहम पारियां खेलीं, जिनमें दो शतक और तीन अर्धशतक शामिल हैं। उनका यह प्रदर्शन बेहद चुनौतीपूर्ण परिस्थितियों में आया, जहां गेंदबाज़ों को मदद मिल रही थी और पिचें बल्लेबाज़ों के लिए आसान नहीं थीं। बावजूद इसके, गिल ने धैर्य, तकनीक और आक्रामकता का बेहतरीन मेल दिखाया।

गिल तोड़ सकते हैं इन दिग्गजों का रिकॉर्ड

एक टेस्ट सीरीज में सबसे ज्यादा रन बनाने का रिकॉर्ड ऑस्ट्रेलिया के पूर्व दिग्गज खिलाड़ी डॉन ब्रेडमैन के नाम है। जिन्होंने 1930 में एशेज में इंग्लैंड के खिलाफ 5 मैच की 7 पारियों में 974 रन बनाए थे। इसमें उन्होंने एक तिहरा शतक भी लगाया था। वहीं, दूसरे नंबर पर इंग्लैंड के हैमांड का नाम आता है जिन्होंने 5 मैच की 9 पारियों में 905 रन बनाए थे। इसके बाद एमए टेलर ने 1989 में एक सीरीज में 839 रन बनाए। वहीं, इस लिस्ट में तीन भारतीय खिलाड़ियों का नाम आता है। पहला नाम सुनील गावस्कर का है, जिन्होंने 1970-71 में वेस्टइंडीज के खिलाफ 4 मैच की 8 पारियों में 774 रन बनाए थे। 1978-89 में फिर गावस्कर ने एक सीरीज में 732 रन बनाए। वहीं, 2023 में यशस्वी जायसवाल ने 5 मैच की 9 पारियों में 712 रन बनाए। वहीं, 2014-15 में विराट कोहली ने 4 मैच की सीरीज में 692 रन बनाए थे।

इंग्लैंड में एक टेस्ट सीरीज में भारत के लिए सर्वाधिक रन बनाने वाले बल्लेबाज़

1. शुभमन गिल (2025) - 603* रन
2. राहुल द्रविड़ (2002) - 602 रन
3. विराट कोहली (2018) - 593 रन
4. सुनील गावस्कर (1979) - 542 रन
5. राहुल द्रविड़ (2011) - 461 रन

इस सूची में गौर करने वाली बात यह है कि राहुल द्रविड़ दो बार टॉप-5 में शामिल हैं, जो उनके इंग्लैंड में शानदार रिकॉर्ड को दर्शाता है।

भारतीय टीम ने सीरीज 3-2 से अपने नाम किया

इंग्लैंड विमेंस टीम पांचवां टी-20 पांच विकेट से जीती, श्रीचारानी प्लेयर ऑफ द सीरीज बनीं

बर्मिंघम , एजेंसी

भारतीय विमेंस क्रिकेट टीम को बर्मिंघम के एजबेस्टन में शनिवार को इंग्लैंड के खिलाफ पांचवें और अंतिम टी-20 मैच में पांच विकेट से हार का सामना करना पड़ा। हालांकि, भारतीय टीम 3-2 से सीरीज अपने नाम कर ली। यह विमेंस क्रिकेट इतिहास में इंग्लैंड के खिलाफ भारत की पहली टी-20 सीरीज जीत है। इस मैच में टॉस हारकर पहले बल्लेबाजी करने उतरी भारतीय टीम ने 20 ओवर में 7 विकेट खोकर 167 रन का स्कोर बनाया। जवाब में इंग्लैंड ने आखिरी गेंद पर 5 विकेट खोकर 168 रन का टारगेट हासिल कर लिया। साथ ही इंग्लैंड की विमेंस क्रिकेट टीम ने टी-20 में अपना तीसरा सबसे बड़ा रन चेज किया। चार्ली डीन को प्लेयर ऑफ द मैच चुना गया है। उन्होंने 4 ओवर में 23 रन देकर 3 अहम विकेट लिए। प्लेयर ऑफ द सीरीज श्री चारानी बनीं। उन्होंने डेब्यू सीरीज में 10 विकेट लिए।

आखिरी ओवर का रोमांच -

आखिरी ओवर में इंग्लैंड को 6 रन चाहिए थे। पहली तीन गेंदों में दो विकेट गिरे। इसमें राधा यादव का शानदार कैच भी शामिल था और सिर्फ एक रन आया। लेकिन चौथी गेंद पर एक मिसफील्ड के चलते दो की जगह तीन रन बन गए। पांचवीं गेंद पर सिंगल आया। आखिरी गेंद पर एक रन चाहिए था। शॉर्ट मिड ऑन पर रन आउट का मौका था, लेकिन आसान सा थ्रो नॉन स्ट्राइकर एंड पर सही निशाने पर नहीं लगा और इंग्लैंड टीम जीत गई।

शेफाली का 11वां टी-20 इंटरनेशनल अर्धशतक

पहली पारी में भारत ने दो विकेट जल्दी गंवा दिए, लेकिन शेफाली वर्मा की शानदार पारी के दम पर टीम ने जबरदस्त वापसी की और इंग्लैंड के सामने 168 रनों का टारगेट रखा। शेफाली ने शानदार अर्धशतकीय (75) पारी खेली। शेफाली ने 23 गेंद में अपना 11वां टी-20 अर्धशतक जड़ा। चार्ली डीन ने इंग्लैंड के लिए सबसे ज्यादा तीन विकेट चटकाए।

डेनिएल व्याट ने 56 रन बनाए

इंग्लैंड के लिए सोफिया डंकली और डेनिएल व्याट की ओपनर जोड़ी ने ठोस शुरूआत की। सोफिया ने 46 रनों की पारी खेली, जबकि डेनिएल 56 रन बनाकर आउट हुईं। इसके अलावा इंग्लिश कप्तान टैमी ब्यूमोंट ने 30 रनों का योगदान दिया। भारत की तरफ से दीप्ति और अरुंधति ने दो-दो विकेट लिए।

यूथ टेस्ट-इंग्लैंड व-19 के खिलाफ आयुष का शतक

अभिज्ञान-राहुल की साझेदारी से भारत व-19 का स्कोर- 450/7

लंदन, एजेंसी

इंग्लैंड के बेकनहैम में खेले जा रहे पहले यूथ टेस्ट मैच के पहले दिन भारत व-19 ने इंग्लैंड व-19 के खिलाफ शानदार बल्लेबाजी करते हुए 450 रन पर 7 विकेट खो दिए। भारत ने टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी का फैसला किया। शुरूआत में वैभव सूर्यवंशी केवल 14 रन बनाकर आउट हो गए। इसके बाद कप्तान आयुष म्हात्रे ने 115 गेंदों में 102 रनों की शानदार शतकीय पारी खेली और विहान मल्होत्रा (67 रन, 99 गेंद) के साथ दूसरे विकेट के लिए 173 रनों की साझेदारी की। आयुष और विहान के आउट होने के बाद, अभिज्ञान कुंडू (90 रन, 95 गेंद) और राहुल कुमार (85 रन, 81 गेंद) ने पांचवें विकेट के लिए 179 रनों की साझेदारी की। दोनों एक ही ओवर के अंदर आउट हो गए। दिन के अंत में आरएस अम्ब्रीश (31 रन, नाबाद) ने पहले मोहम्मद एना के साथ 32 रन और फिर हेनिल पटेल (6 रन, नाबाद) के साथ 30 रन जोड़े। इंग्लैंड की ओर से एलेक्स ग्रीन, जैक होम और आर्ची वॉन ने 2-2 विकेट लिए, जबकि राल्फी एल्बर्ट को 1 सफलता मिली। यूथ वनडे में शानदार परफॉर्म करने वाले 14 साल के ओपनर वैभव सूर्यवंशी पहले दिन मात्र 14 रन ही बना सके। उन्हें ग्रीन ने आउट किया। वैभव ने ऑफ साइड के बाहर शॉर्ट ऑफ लेंथ बॉल को कट किया।

मिश्रित टीम निशानेबाजी विश्व कप के पदक दौर में जगह बनाने से चूकी

लोनाटो। लक्ष्य श्योराण (22,19,25) और नीरू ढांडा (25,24,25) तीसरी सीरीज में परफेक्ट स्कोर बनाने के बावजूद ट्रैप मिश्रित टीम स्पर्धा में पदक दौर में जगह बनाने से चूक गए जिसके साथ भारत का अभियान आईएसएसएफ लोनाटो विश्व कप में समाप्त हो गया। लक्ष्य और नीरू ने क्वालीफाइंग दौर में संभावित 150 में से 140 अंक बनाए और 54 जोड़ियों में 10वें स्थान पर रहे। जोरावर सिह संधू (21,23,24) और प्रीति रजक (23,24,23) की दूसरी भारतीय जोड़ी 138 अंक के साथ 22वें स्थान पर रही। एक दिन पहले महिला ट्रैप में चौथे स्थान पर रही नीरू ने अपना शानदार प्रदर्शन जारी रखते हुए 75 में से केवल एक ही निशाना चूका जबकि लक्ष्य दूसरी सीरीज में लय में नहीं दिखे और छह निशाने चूक गए जिससे भारतीय जोड़ी की पदक दौर में जगह बनाने की संभावनाओं को झटका लगा। ऑस्ट्रेलिया, ग्रेट ब्रिटेन और स्पेन की दोनों टीम 143 अंक के समान स्कोर के साथ क्वालीफिकेशन में शीर्ष पर रहीं।

मनोरंजन

बॉलीवुड का कोना

एक्टिंग के बाद सिंगिंग में भी करियर बनाएंगे आमिर, कॉमेडी फिल्म में होगी उनकी आवाज

सुपरस्टार आमिर खान अपनी फिल्मों के लिए काफी मेहतन किया करते हैं। वो एक्टिंग में तो %मिस्टर परफेक्शनिस्ट% कहलाए ही जाते हैं। लेकिन अब उनका ध्यान सिंगिंग में भी करियर बनाने पर है। एक कॉमेडी फिल्म के गानों में किसी जाने माने सिंगर की नहीं, बल्कि आमिर खान की आवाज होने वाली है। इसकी जानकारी सुपरस्टार ने खुद दी है।

हाल ही में आमिर ने बातचीत में बताया कि वो एक अनटाइटल्ड कॉमेडी फिल्म में एक्टिंग के साथ सिंगिंग भी करने वाले हैं जिसके लिए वो काफी समय से ट्रेनिंग ले रहे हैं। आखिरी बार आमिर ने फिल्म %गुलाम% में %आती क्या खंडाला% गाने को अपनी आवाज दी थी। अब करीब 27 साल बाद वो दोबारा किसी गाने को गाएंगे। आमिर ने बताया, %जब मैंने आती क्या खंडाला गाना गाया था, तब मैंने वो मस्ती के लिए गाया था। खुशकिस्मत हूं कि वो काम कर गया। अब मैं पिछले कुछ सालों से एक प्रोफेशनल सिंगर बनने के लिए सही तरीके से ट्रेनिंग ले रहा हूं। ये एक अनटाइटल्ड कॉमेडी फिल्म के लिए है। ये फिल्म बासु चटर्जी और ऋषिकेश मुखर्जी की फिल्मों से प्रेरित है जो मुझे लगता है कि हम लोग आजकल बनाना भूल गए हैं। हम उस तरह का सिनेमा आज बिल्कुल नहीं बनाते हैं। वो स्वीट, मासूम कॉमेडी फिल्में और इस तरह की फिल्मों पर दांव कभी बहुत ऊंचा नहीं होता। कोई इसकी कहानी में मरता नहीं है।

मेट्रो बाजार

जून में भारत की रूस से कच्चे तेल की खरीद 11 माह के उच्चस्तर पर

नई दिल्ली। इज़राइल-ईरान युद्ध के बीच रिफाइनरियों द्वारा भंडारण बढ़ाने के कारण जून में रूस से भारत का कच्चे तेल का आयात 11 महीने के उच्चतम स्तर पर पहुंच गया है। विश्लेषकों ने एक रिपोर्ट में यह जानकारी दी। वैश्विक जिस बाज़ार विश्लेषक कंपनी केप्लर के तेल जहाज की निगरानी पर आधारित आंकड़ों के अनुसार, भारत ने जून में 20.8 लाख बैरल प्रति दिन (बीपीडी) रूसी कच्चे तेल का आयात किया, जो जुलाई, 2024 के बाद से सर्वाधिक है। यूरोपीय शोध संस्थान सेंटर फॉर रिसर्च ऑन एनर्जी एंड क्लीन एयर ने कहा, जून में भारत के कच्चे तेल के वैश्विक आयात में छह प्रतिशत की गिरावट आई, जबकि रूस से आयात में मासिक आधार पर आठ प्रतिशत की वृद्धि हुई, जो जुलाई, 2024 के बाद से अपने उच्चतम स्तर पर पहुंच गया। शोध संस्थान ने कहा, रूस से किए गए इन आयात में से आधे से अधिक की हिस्सेदारी भारत की तीन रिफाइनरियों की रही, जो जी7 प्लस देशों को भी शोधन वाले उत्पादों का निर्यात करती हैं। भारत अपनी ज़रूरत का 85 प्रतिशत से ज़्यादा कच्चा तेल आयात करता है, जिसे रिफ़ाइनरियों में पेट्रोल और डीज़ल जैसे ईंधन में बदला जाता है। परंपरागत रूप से, पश्चिम एशिया इसका मुख्य स्रोत था, लेकिन पिछले लगभग तीन वर्षों से रूस इसका मुख्य आपूर्तिकर्ता बना हुआ है। जून में, भारत ने अपने दूसरे सबसे बड़े आपूर्तिकर्ता इराक से लगभग 8,93,000 बैरल प्रतिदिन (बीपीडी) कच्चा तेल आयात किया, जो मासिक आधार पर 17.2 प्रतिशत की गिरावट है

पाक एक्ट्रेस हुमैरा अली का मौत के बाद सामने आया आखिरी वीडियो मैसेज, बोलीं- दिल से दुआ

पाकिस्तानी एक्ट्रेस हुमैरा असगर अली की मौत हर किसी के लिए किसी रहस्य से कम नहीं है। उनकी मौत कब और कैसे हुई, ये कोई नहीं जानता। 8 जुलाई को उनकी मौत की खबर सामने आई थी। एक्ट्रेस का शव उनके घर में सड़ी-गली हालत में पाया गया। कहा जा रहा है कि हुमैरा की मौत 9 महीने पहले हो चुकी थी। अब उनके जाने के बाद उनका आखिरी वॉइस मैसेज बरामद हुआ है। हुमैरा की एक करीबी दोस्त ने एक्ट्रेस के चले जाने के कुछ दिनों बाद उनका आखिरी वॉइस मैसेज शेयर किया है जिसमें वो खुद के लिए दुआ मांगती सुनाई दे रही हैं। हुमैरा ने अपनी दोस्त को ये मैसेज काफी समय पहले किया था जिसे उन्होंने अब उनकी मौत के बाद शेयर किया है। बताया जा रहा है कि उन्होंने ये मैसेज अपनी दोस्त को सितंबर के महीने में भेजा था जब उनका फोन एक्टिव था। एक्ट्रेस अपनी दोस्त से कह रही हैं, मैं माफी चाहती हूं। मैं कहीं ट्रेवल कर रही थी और इधर उधर भी बिजी थी। मैं बहुत खुश हूं कि तुम मक्का में हो। मेरे लिए बहुत सारी प्लीज। अपनी क्यूट सी दोस्त/बहन के लिए बहुत सारी दिल से दुआ करना। मेरे करियर को दुआ में जरूर याद रखना। तुम्हें मेरे लिए बहुत सारी दुआ करनी है।

महीनों पहले हो चुकी थी पाक एक्ट्रेस की मौत?

कुछ दिनों पहले हुमैरा की मौत से जुड़ी एक बड़ी अपडेट सामने आई थी। जांच में डिजिटल और फॉरेंसिक सबूतों के मुताबिक, एक्ट्रेस की मौत 9 महीने पहले यानी पिछले साल अक्टूबर में ही हो गई थी। हुमैरा के केस को संभालने वाले अधिकारियों ने इसकी पुष्टि की थी। उनके घर में जंग लगे बर्तन और एक्सपायर्ड फूड आइटम्स पाए गए जिससे उनकी मौत का टाइमलाइन पता चल पाया था। बता दें, हुमैरा असगर अली पाकिस्तान के कई मशहूर ड्रामा में नजर आ चुकी हैं। साथ ही उन्होंने कुछ फिल्मों में भी एक्टिंग की है। हुमैरा साल 2014 में वीट मिस सुपर मॉडल का खिताब भी जीत चुकी हैं जिसके बाद ही वो लाइमलाइट में आने लगी थीं।

आईफोन, स्मार्ट टीवी, माइक्रोवेव.. चीन से सबकुछ छीन रहा भारत, अब नहीं चलेगी ड्रैगन की दादागीरी

नई दिल्ली। अब भारत में सिर्फ आईफोन ही नहीं बन रहे हैं। स्मार्ट टीवी और माइक्रोवेव ओवन भी यहीं बन रहे हैं। इसके साथ ही, कुछ खास इलेक्ट्रॉनिक चीजें भी अब भारत में बनने लगी हैं। ये वो चीजें हैं जो पहले पूरी तरह से बाहर से मंगाई जाती थीं। जैसे कि रोबोट वाले वैक्यूम क्लीनर, कॉफी बनाने की मशीन, बिल्ट-इन रेफ्रिजरेटर और एयर फ्रायर। इंडस्ट्री के लोगों का कहना है कि ऐसा इसलिए हो रहा है क्योंकि सरकार ने इलेक्ट्रॉनिक चीजों की लिस्ट बढ़ा दी है। अब इन चीजों को बनाने वाली फैक्ट्रियों को बीआईएस से सर्टिफिकेट लेना होगा। बीआईएस के क्वालिटी कंट्रोल ऑर्डर (क्यूसीओ) का मतलब है कि चीन और दूसरी जगहों से आने वाले सामान पर कंट्रोल किया जा सके और भारत में ही प्रोडक्शन को बढ़ावा मिले। ज्यादातर ये खास चीजें पिछले आठ-नौ महीनों में क्यूसीओ के दायरे में आई हैं। पहले, ज्यादातर कंपनियां कहती थीं कि इन चीजों का मार्केट इतना छोटा है कि इन्हें भारत में बनाना फायदे का सौदा नहीं है।

नियमों में बदलाव

डिक्सन टेक्नोलॉजीज के मैनेजिंग डायरेक्टर अतुल लाला का कहना है, ÷बीआईएस के नियमों ने एक बड़ा बदलाव लाया है। अब प्रीमियम ब्रांड भी छोटे उपकरणों को भारत में बनाने के बारे में सोच रहे हैं, भले ही मार्केट छोटा हो। यह एक अच्छा बिजनस करने का मौका है।÷ हाल ही में, डिक्सन ने यूरेका फोर्ब्स के साथ रोबोट वैक्यूम क्लीनर बनाने का समझौता किया है। इस कैटेगरी का मार्केट सिर्फ 700 करोड़ रुपये का है। डिक्सन भारत की सबसे बड़ी इलेक्ट्रॉनिक सामान बनाने वाली कंपनी है।

ट्रेन की चपेट में आने से अधेड़ की मौत

भोपाल। सूखीसेविनया थाना क्षेत्र स्थित गांव चौपड़ा कला में रविवार दोपहर ट्रेन की चपेट में आने से एक अधेड़ की मौत हो गई। उसके पास से ऐसा कोई भी दस्तावेज नहीं मिला है, जिससे की उसकी शिनाख्त की जा सके। पुलिस ने मर्ग कायम कर शव पीएम के लिए मर्चुरी में रखवा दिया है। पुलिस मृतक की शिनाख्त करने के प्रयास कर रही है। एएसआई राजेश दंडोतिया ने बताया कि युवराज सिंह लोधी रेलवे में पाइंट्समैन हैं। उन्होंने पुलिस को सूचना दी कि खंभा नंबर 844/04 और 844/06 के बीच किसी अज्ञात व्यक्ति की लाश पड़ी है। सूचना पर पहुंची पुलिस ने लाश बरामद कर पीएम के लिए भेज दी। मृतक की उम्र करीब पचास साल के आसपास बताई जा रही है।

अधेड़ ने फांसी लगाकर की आत्महत्या

भोपाल। शाहपुरा थाना क्षेत्र स्थित सरस्वती नगर में बीती रात एक अधेड़ ने फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली। उनके पास से सुसाइड नोट नहीं मिला है। पुलिस ने मर्ग कायम कर शव पीएम के लिए मर्चुरी भेज दिया है। पुलिस मामले की जांच कर रही है।

पुलिस के अनुसार पूनम चंद्रा पिता नत्थू चंद्रा (55) सरस्वती नगर शाहपुरा में रहते थे और प्राइवेट काम करते थे। रविवार रात उन्होंने अपने कमरे में फांसी लगा ली। नजर पड़ते ही परिजन उन्हें फंदे से उतारकर जय प्रकाश अस्पताल ले गए, वहां डॉक्टर ने चेक करने पर उन्हें मृत घोषित कर दिया। पुलिस का कहना है कि पूनम चंद्रा के पास से सुसाइड नोट नहीं मिला है। पुलिस का कहना है कि परिजन के बयान दर्ज किए जाने है। प्राथमिक पूछताछ में अभी आत्महत्या की वजह का पता नहीं चल सका है।

शराब कंपनी के कर्मचारी की गुंडागर्दी, कलारी के सामने दो युवकों को पीटा

भोपाल। पिपलानी थाना क्षेत्र स्थित कलारी के सामने शराब कारोबारी के कर्मचारी द्वारा गुंडागर्दी का मामला सामने आया है। कर्मचारी प्लास्टिक के डंडे से शराब लेने आए और वहां बैठे युवक को डंडे से पीटते हुए नजर आ रहा है। बेरहमी से मारपीट का वीडियो रविवार को सोशल मीडिया पर वायरल होने के बाद पुलिस ने कर्मचारी के खिलाफ प्रतिबंधात्मक कार्रवाई करते हुए उसे जेल भेज दिया। वीडियो रायसेन रोड पिपलानी थाना क्षेत्र की शराब दुकान के बाहर का है। पुलिस ने किया गिरफ्तार, भेजा जेल इस वीडियो में एक मोनू नामक कर्मचारी प्लास्टिक के डंडानुमा पाइप से दो युवकों को बेरहमी से पीटता नजर आया है। इस वीडियो में एक और युवक भी इन युवकों के साथ हाथ-मुक्कों से मारपीट कर रहा है, जिसके बड़े बाल हैं। इसे पुलिस ने आरोपी नहीं बनाया है। वीडियो दो से तीन दिन पुराना बताया जा रहा है।

गांव भदभदा के सरंपच और उनके परिवार पर लगाया आरोप

फैक्ट्री ठेकेदार को डंडे से पीटा, 2 मोबाइल व 75000 रुपए लूटे

भोपाल, दोपहर मेट्रो

सूखी सेवनिया पुलिस ने एक फैक्ट्री ठेकेदार की शिकायत पर मारपीट की धाराओं के तहत प्रकरण दर्ज किया है। आरोपियों ने भदभदा श्मशान घाट के पास उनकी कार रोककर लाठी-डंडों से मारपीट की। गंभीर रूप से घायल होने के कारण ठेकेदार दो दिन बाद रिपोर्ट दर्ज कराने थाने पहुंचे। फरियादी ने आरोप लगाया है कि आरोपियों में भदभदा के सरपंच और उनका परिवार शामिल है। आरोपियों ने उनके दो मोबाइल व लेबर को देने वाला पैमेंट के 75 हजार रुपए भी छीन लिए।

पुलिस के अनुसार चौपड़ा कला सूखी सेवनिया निवासी आशीष यादव (27) रायसेन स्थित वेलस्पन फैक्ट्री के ठेकेदार हैं। विगत दस जुलाई की सुबह करीब साढ़े 8 बजे वह ग्राम भदभदा श्मशान घाट के सामने रोड से गुजर रहे थे। उसी दौरान स्कूटी पर सवार होकर आए ग्राम भदभदा के राजपाल यादव ने आशीष यादव की कार रोककर गाली-गलौज की और फिर उन्हें कार से बाहर निकालकर पीटना शुरू कर दिया। इस बीच राजपाल के साथी अनुराग यादव, लालू यादव, महाराज यादव, मुकेश यादव, शिशुपाल यादव, जीवन यादव और जीवन यादव भी आ गए और सभी ने मिलकर डंडों व प्लास्टिक के पाइप से आशीष यादव की पिटाई कर दी और गंभीर रूप से घायल कर फरार हो गए। गंभीर रूप से घायल होने के कारण आशीष यादव ने दो दिन बाद थाने पहुंचकर प्रकरण दर्ज कराया। फरियादी का कहना है कि आरोपीप महाराज सिंह यादव सरपंच हैं और मारपीट करने वाले अन्य आरोपी उनके ही परिवार के हैं। आशीष यादव ने आरोप लगाया है कि उन्हें रास्ते में रोककर लाठी-डंडों से मारपीट की गई। आरोपियों ने उनके दो मोबाइल फोन और लेबर को देने वाला पैमेंट छीन लिया। गंभीर रूप से घायल होने के कारण वह दो दिन बाद प्रकरण दर्ज कराने थाने पहुंचे थे। पुलिस ने प्रकरण दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। मोबाइल व नगदी लूट के मामले में पुलिस का कहना है कि जांच के बाद ही कुछ कहा जा सकेगा।

गांधी नगर में बदमाश ने अवैध कट्टा जब्त

भोपाल। गांधी नगर थाना क्षेत्र स्थित आरजीपीवी ब्रिज के पास से पुलिस ने एक बदमाश को गिरफ्तार कर उसके पास से अवैध रूप से रखा देशी कट्टा बरामद किया है। पुलिस आरोपी के के खिलाफ आर्म्स एक्ट की धाराओं में प्रकरण दर्ज कर कट्टे के बारे में पूछताछ कर रही है। पुलिस के अनुसार रविवार को मुखबिर से सूचना मिली कि एरोसिटी रोड आरजीपीवी कॉलेज ब्रिज के नीचे एक व्यक्ति अवैध रूप से कट्टा लिए खड़ा हुआ है। सूचना के बाद हरकत में आई पुलिस ने एरोसिटी रोड आरजीपीवी ब्रिज के पास घेराबंदी की। इस दौरान पुलिस को देखकर बदमाश भागने का प्रयास किया। हालांकि पुलिस ने उसे दबोच लिया। पूछताछ में आरोपी ने अपना नाम शाहरूख पिता अनिस (25) सत्यम चौराहा के पास, प्रताप वार्ड गांधी नगर बताया। तलाशी लेने पर उसके पास से देशी कट्टा मिला।

घायलों के बयान दर्ज होने के बाद युवती पर की जाएगी एफआईआर

गोविंदपुरा का श्याम मोरे हत्याकांड, आरोपी की प्रेमिका ने मारा था थप्पड़

भोपाल, दोपहर मेट्रो

गोविंदपुरा के गुलाब उद्यान के पास अंबेडकर पार्क में श्याम मोरे की चाकू मारकर हत्या करने वाले आरोपी फैजान को पुलिस ने कोर्ट में पेश कर जेल भेज दिया है। अब पुलिस फैजान की प्रेमिका के खिलाफ कार्रवाई करने की तैयारी कर रही है। दअरसल, इस मामले में पुलिस ने रविवार को मृतक के दोनों घायल साथियों को बयान दर्ज कराने के लिए तलब किया था।

लेकिन किसी कारण वे दोनों थाने नहीं पहुंच सके। पुलिस का कहना है कि अब सोमवार को उनके बयान दर्ज किए जाएंगे। दोनों घायलों के बयान दर्ज होने के बाद आरोपी की कथित प्रेमिका को भी हत्या के मामले में सह-आरोपी बनाया जा सकता है। पुलिस के मुताबिक बरखेड़ा पठानी निवासी लेबर कांट्रक्टर श्याम मोरे (25) गुरुवार 10 जुलाई की दोपहर वह अपने दोस्त अजय (25) और राहुल (26) के साथ गुलाब उद्यान के पास अंबेडकर पार्क में बैंच पर बैठकर बीयर पी रहा था। उनकी साइड वाली बैंच पर फैजान अपनी प्रेमिका के साथ बैठा था। श्याम मोरे और उसके दोनों दोस्त प्रेमी युगल पर कमेंट्स करने लगे। हंसने और कमेंट्स को लेकर उनके बीच विवाद होने लगा। तब श्याम मोरे ने फैजान को लव जिहाद में फंसाने का आरोप लगाकर अड़ीबाजी करना चाही। इसी बात को लेकर विवाद बढ़ने पर फैजान ने अपनी जेब से चाकू निकालकर श्याम मोरे और उसके दोनों साथियों पर हमला कर दिया। हमले में इलाज के दौरान श्याम की अस्पताल में मौत हो गई थी। थाना प्रभारी अवधेश तोमर के मुताबिक शुरुआती तफ्तीश में पता चला है कि झगड़े के दौरान युवती ने भी श्याम मोरे को थप्पड़ मारे थे और वह आरोपी फैजान

आयुष कॉलेजों को लेकर सख्ती , भ्रष्टाचार पर होगी कार्यवाही

भोपाल, दोपहर मेट्रो

नेशनल कमीशन फॉर इंडियन सिस्टम ऑफ मेडिसिन (एनसीआईएसएम) ने मेडिकल कॉलेजों की मान्यताओं में भ्रष्टाचार उजागर होने के बाद सख्ती अपनाई है। चेयरमेन डॉ. बीएल मेहरा ने मध्यप्रदेश समेत देशभर के आयुर्वेद, यूनानी, सिद्धा व सोवा-रिग्पा मेडिकल कॉलेजों को सर्कुलर जारी कर स्पष्ट कहा है कि आयुष मंत्रालय व एनसीआईएसएम कॉलेजों की मान्यताओं से लेकर अन्य मामलों में भ्रष्टाचार को कतई बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। आपराधिक तथा कानूनन नियामक कार्यवाही की जाएगी चाहे वो अधिकारी हों, एजेंट हों, मध्यस्थ, सलाहकार, पूर्व छात्र हों किसी को बख्शा नहीं जाएगा।

लगभग 650 कॉलेज संचालित:. जानकारों के अनुसार, मप्र समेत देशभर में आयुर्वेद, यूनानी, सिद्धा व सोवा-रिग्पा के लगभग 650 कॉलेज संचालित हैं। कॉलेज चाहें तो सीधे एंटी करप्शन हेल्पलाइन या एनसीआईएसएम को सूचना या रिपोर्ट कर सकता है।

मेट्रो एंकर दो सप्ताह के भीतर लूट की आधा दर्जन वारदात

छात्र से मोबाइल झपटने वाले बदमाशों का नहीं लगा सुराग

भोपाल, दोपहर मेट्रो

राजधानी में मोबाइल फोन झपटने वाले बदमाशों की गिरफ्तारी पुलिस नहीं कर पा रही है। अशोका गार्डन इलाके में एक छात्र के हाथ से 20 हजार रुपए का मोबाइल छीनने वाले बाइक सवार बदमाशों का अभी तक कोई सुराग नहीं लग पाया है। जुलाई में दो सप्ताह के भीतर बदमाशों ने मोबाइल लूटने की आधा दर्जन वारदातों को अंजाम दिया है, लेकिन पुलिस बदमाशों को पकड़ नहीं पाई। जानकारी के अनुसार मूलत- गुना निवासी संकित जैन (23) अशोका गार्डन इलाके में किराए से रहता है और कालेज में पढ़ता है। शनिवार की रात करीब ग्यारह बजे वह जैन मंदिर से दर्शन

करने के बाद पैदल अपने कमरे पर लौट रहा था। इस दौरान वह मोबाइल पर बातचीत करते हुए जा रहा था। अशोका गार्डन स्थित परिहार चौराहे पर पहुंचने पर पीछे से आए बाइक सवार दो बदमाशों ने उसके हाथ से मोबाइल फोन झपट लिया और भाग निकले। बाद में उसने थाने जाकर लूट की रिपोर्ट दर्ज कराई। पुलिस ने घटनास्थल और आसपास के इलाके में लगे सीसीटीवी कैमरों के फुटेज खंगाले, लेकिन आरोपियों का कोई सुराग नहीं लग पाया। आधा दर्जन लोगों को बनाया निशाना जुलाई महीने में दो सप्ताह के भीतर बदमाशों ने आधा दर्जन लूट की वारदातों को अंजाम दिया है। कमला नगर इलाके में पूजा सेन और ज्योति वर्मा के हाथ से बदमाशों ने मोबाइल फोन लूट लिया था। रातीबड़ इलाके में रिटायर्ड पुलिस कर्मचारी के हाथ से बदमाश एटीएम कार्ड छीन ले गया था। हबीबगंज इलाके में युवती पलग नागर और ऐशबाग में स्नेहा जामधड़े के साथ मोबाइल लूट की घटना हो चुकी है। स्नेहा के साथ लूटपाट करने वालों में एक युवक और एक युवती शामिल थी। जिन्होंने अपने नाम बताए थे। फिलहाल उनकी गिरफ्तारी नहीं हो सकी है।

स्वामी,मुद्रक,प्रकाशक **राजेश सिरोठिया** द्वारा पी जी इंफ्रास्ट्रक्चर एंड सर्विसेज प्राइवेट लिमिटेड,करोंद-भानपुर बाइपास विलेज रासलाखेड़ी भोपाल से मुद्रित तथा ए-182 मनीषा मार्केट शाहपुरा भोपाल से प्रकाशित। **प्रधान संपादक राजेश सिरोठिया** **संपादक आशीष दुबे*** आर एन आई पंजीयन क्रमांक एमपी एचआईएन/2016/68849 (*पीआरबी एक्ट के तहत समाचार चयन के लिए जिम्मेदार) **फोन :** 0755-4917524, 2972022